केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 312 बुधवार 5 जून 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

9 जून को शपथ ले सकते हैं पीएम मोदी

नई दिल्ली (आभा)। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे आ गए हैं। भाजपा नीत एनडीए गठबंधन लगातार तीसरी बार केंद्र की सत्ता में काबिज होने जा रही है। पीएम मोदी तीसरी बार पीएम कुर्सी संभालेंगे। ऐसे में शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां शुरू हो गई है। ऐसी खबरें हैं कि पीएम मोदी 9 जून को शपथ ग्रहण कर सकते हैं। पीएम मोदी की ताजपोशी की तैयारियों को लेकर 5 से 9 जून तक राष्ट्रपति भवन विजिटर्स के लिए बंद रहेगा।

के.एल. शर्मा जीतेः स्मृति ईरानी की करारी हार

अमेठी (आभा)। हाई प्रोफाइल अमेठी सीट पर भाजपा को बड़ा झटका लगा है। स्मृति ईरानी चुनाव हार गई हैं। कांग्रेस के उम्मीदवार किशोरी लाल शर्मा ने स्मृति ईरानी को 167196 वोटों से हरा दिया है। स्मृति ईरानी शुरू से ही पीछे चल रही थीं। के एल शर्मा को 539228 वोट मिले हैं। स्मृति ईरानी को 372032 वोट मिले। इस सीट से तीसरी बार स्मृति उतरी थीं। पिछले चुनाव में उन्होंने कांग्रेस के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को पराजित किया था। अमेठी में पिछले ढाई दशक में पहली बार है जब गांधी परिवार से कोई भी चुनाव मैदान में नहीं उतरा था।

किशोरी लाल शर्मा गांधी परिवार के बेहद नजदीकी रहे और अमेठी रायबरेली में प्रतिनिधि के राजीव गांधी सोनिया गांधी और राहुल गांधी का काम देखते रहे हैं। यह उनके जीवन का पहला चुनाव था।

हेमामालिनी मथुरा से 2 लाख मतों से जीती

मथुरा (आभा)। मथुरा लोकसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार हेमा मालिनी बड़े मार्जिन से जीती हैं। हेमा मालिनी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के मुकेश धनगर को दो लाख से ज्यादा वोटों से हराया है। बतादें कि देर शाम काउंटिंग के दौरान यहां लाइट चली जाने की वजह से कुछ देर तक मतगणना रुकी रही है। लाइट आने के बाद फिर से काउंटिंग शुरू की गई।

कृष्णनगरी मथुरा में अभिनेत्री से राजनेता बनीं हेमा मालिनी वर्तमान सांसद हैं। हेमा ने इस सीट पर 2014 और 2019 में दांव आजमाया और भाजपा के भरोसे पर खरी उतरीं। दोनों ही बार हेमा ने मथुरा में कमल खिलाया। मथुरा लोकसभा क्षेत्र भाजपा का गढ़ बन चुका है। 1952 में अस्तित्व में आई मथुरा लोकसभा सीट पर अब तक 17 बार लोकसभा चुनाव हो चुके हैं। इस सीट पर चार बार कांग्रेस जबकि छह बार भाजपा ने अपना परचम फहराया है। 1991 से पहले मथुरा लोकसभा क्षेत्र से कभी भाजपा या जनसंघ का उम्मीदवार नहीं जीता था लेकिन 1991 के बाद 2019 तक हुए आठ लोकसभा चुनाव में से छह चुनाव यहां भाजपा जीती है। 2004 का चुनाव जहां कांग्रेस जीत गई थी, वहीं 2009 के चुनाव में राष्ट्रीय लोकदल के जयंत चौधरी जीते थे।

बोले मोदीः जारी रहेगी विकास यात्रा

नई दिल्ली (आभा)। लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद पीएम नरेंद्र मोदी की पहली प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि देश के लोगों ने एनडीए पर विश्वास जताया है और यह भारत के इतिहास में अहम है। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, 'मैं जनता जनार्दन का अभिवादन करता हूं, जिसने हम पर भरोसा जताया है। मैं यकीन दिलाता हूं कि हमारी 10 सालों में जो विकास यात्रा थी, वह जारी रहेगी। हम लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए काम करते रहेंगे।' अपने ट्वीट में प्रधानमंत्री ने भाजपा के कार्यकर्ताओं को भी उनकी मेहनत के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने जो मेहनत की है, हम उसका धन्यवाद शब्दों में नहीं दे सकते।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश में एनडीए की जीत को लेकर भी जनता को धन्यवाद दिया। बता दें कि राज्य में एनडीए ने अच्छी संख्या में लोकसभा सीटें जीती हैं, जबकि विधानसभा में भी बहुमत मिला है। इसके लिए उन्होंने आंध्र प्रदेश के लोगों को धन्यवाद दिया। पीएम मोदी ने लिखा, 'आंध्र प्रदेश ने एनडीए को हमें अप्रत्याशित जनादेश दिया है। मैं राज्य के लोगों को उनके इस जनादेश के लिए धन्यवाद देता हूं।' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हम आंध्र प्रदेश के विकास के लिए पूरी क्षमता से काम करेंगे। अब समय आ गया है, जब हमें आंध्र प्रदेश की समृद्धि के लिए काम करना है।

उन्होंने ओडिशा के लोगों को भी धन्यवाद दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि ओडिशा की संस्कृति अनूठी है। अब समय आ गया है, जब हमें ओडिशा में सुशासन लाना है। उन्होंने कहा कि हम ओडिशा के लोगों के सपनों को पूरा करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। ओडिशा को विकास की नई ऊंचाइयों पर हम ले जाएंगे। मुझे ओडिशा में भाजपा की सरकार लाने के लिए योगदान देने वाले अपने कार्यकर्ताओं पर गर्व है। गौरतलब है कि पीएम नरेंद्र मोदी थोड़ी देर में भाजपा के दफ्तर भी पहुंचने वाले हैं। वहीं बुधवार को दिल्ली में एनडीए की मीटिंग भी बुलाई गई है। खबर है कि इस मीटिंग में सरकार गठन को लेकर बात हो सकती है।

रायबरेली में रेकार्ड मतों से जीते राहुल गांधी

रायबरेली (आभा)। रायबरेली सीट पर कांग्रेस प्रत्यशी राहुल गांधी ने बड़ी जीत हासिल कर ली है। वह 390030 वोटों से यह चुनाव जीते हैं। राहुल गांधी को कुल 687649 वोट मिले हैं। जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी दिनेश प्रताप सिंह को 297619 वोट मिले हैं। राहुल की बड़ी लीड देखकर दिनेश प्रताप सिंह ने मतगणना पूरी होने से पहले ही अपनी हार स्वीकार कर ली थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट कर रायबरेली की जनता के प्रति आभार प्रकट किया।

ज्ञात रहे कि 2009 और 2014 में समाजवादी पार्टी ने सोनिया गांधी के खिलाफ प्रत्याशी नहीं उतारा था। यहां के 16 लोकसभा चुनावों और 3 उपचुनावों में कांग्रेस ने 16 बार जीत दर्ज की, 1977 में भारतीय लोकदल और 1996, 1998 में बीजेपी ने इस सीट पर जीत दर्ज की, बीएसपी इस सीट पर अभी तक खाता नहीं खोल सकी है और एसपी लगातार 2 चुनावों से इस सीट पर प्रत्याशी नहीं उतार रही है।

1977 में जनता पार्टी से राजनारायण और 1996 व 1998 में भाजपा के अशोक कुमार सिंह ही यहां से गैर कांग्रेसी सांसद रहे। इसके बाद यहां की जनता ने फिर किसी भी गैर कांग्रेसी प्रत्याशी को मौका नहीं दिया। तब से लगातार इस सीट पर नेहरू गांधी परिवार का ही वर्चस्व बना हुआ है।

अरुण गोविल जीते

लखनऊ (आभा)। यूपी में पश्चिम की सबसे हॉट सीट मेरठ लोकसभा सीट से भाजपा के लिए राहत भरी खबर आई है। यहां से भाजपा प्रत्याशी और टीवी के राम अरुण गोविल चुनाव जीत गए हैं। अरुण गोविल ने अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी सपा प्रत्याशी सुनीता वर्मा को 10585 वोटों से हरा दिया है।

राम प्रसाद चौधरी की जीत पर कांग्रेस नेताओं ने बांटी मिठाई

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। इण्डिया गठबंधन के प्रत्याशी राम प्रसाद चौधरी को लगभग एक लाख 9 सौ अट्ठावन मतों से मिली ऐतिहासिक जीत से कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं में प्रसन्नता का माहौल है। चुनाव परिणाम आने के ठीक बाद कांग्रेस के जिला महासचिव ई. राज बहादुर निषाद, जिला सचिव सोमनाथ निषाद 'संत जी' पीसीसी सदस्य सीमा निषाद के साथ ही पार्टी के अनेक नेताओं, कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाईयां खिलाकर खुशियों को साझा किया।

कांग्रेस के जिला महासचिव ई. राज बहादुर निषाद ने कहा कि यह चुनाव परिणाम कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी के साथ ही अनेक वरिष्ठ नेताओं के साझा प्रयास से मिला है। यह लोकतंत्र और संविधान बचाने, मंहगाई, बेरोजगारी के मुद्दों पर बडा जनादेश है। प्रसन्नता व्यक्त करने वालों में मुख्य रूप से विनोद निषाद, अखिलेश साहनी, रामपाल निषाद, अजीत गौतम, अशोक चौधरी के साथ ही अनेक कांग्रेस नेता, पदाधिकारी शामिल रहे।

निष्पक्ष मतगणना के लिये भाकियू ने जिला प्रशासन की भूमिका को सराहा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश सचिव एवं सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड मुण्डेरवा के निर्वतमान अध्यक्ष दिवान चन्द पटेल ने बस्ती में जिला प्रशासन द्वारा निष्पक्ष मतगणना कराये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त किया है। उन्होने कहा कि जनपद के किसानों, नौजवानों ने मिलकर नया इतिहास रचा और इण्डिया गठबंधन के प्रत्याशी राम प्रसाद चौधरी को लगभग एक लाख 9 सौ अट्ठावन मतों से जीत दिलायी।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से दिवान चन्द पटेल ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी ने चुनाव आयोग के दिशा निर्देश के अनुरूप मतगणना का कार्य पूरा कराया। उन्होने कहा कि भारतीय किसान यूनियन पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने इण्डिया गठबंधन के प्रत्याशी राम प्रसाद चौधरी की जीत के लिये अपनी पूरी ताकत झोंक दिया था और जनादेश पक्ष में आया।

यूपी में राहुल, अखिलेश की जोड़ी ने पलट दिया बाजीः भाजपा को बड़ा नुकसान

लखनऊ (आभा)। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों में सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में मुकाबला दिलचस्प नजर आया। भाजपा और सपा–कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर रही। 2019 के मुकाबले भाजपा को बड़ा झटका लगा। वहीं, सपा वोट प्रतिशत के लिहाज से अपना सर्वश्रेठ प्रदर्शन करती दिखाई दे रही है। सीटों के हिलाज से भी अखिलेश यादव की पार्टी को बड़ा फायदा होता दिख रहा है। अखिलेश सपा के चुनावी इतिहास का सबसे बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। लोकसभा सीटों के लिहाज से सपा ऐसा प्रदर्शन मुलायम सिंह यादव के समय भी नहीं कर पाई थी।

सपा के इस प्रदर्शन के क्या मायने हैं? पार्टी की सीटें बढ़ने की वजह क्या है? क्या यह वोट शेयर के लिहाज से सपा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है? बीते चुनावों में सपा प्रदर्शन कैसा रहा था? पार्टी को कब कितना वोट शेयर मिला?

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी करीब 37–38 सीटें जीतती दिखाई दे रही है। सत्ताधारी भाजपा को भी 32–33 के आसपास सीटें मिलने के आसार हैं। रुझान नतीजों में बदलते हैं तो ये कहा जाएगा कि सपा और कांग्रेस को गठबंधन से फायदा हुआ। दोनों दलों ने एक दूसरे को वोट ट्रांसफर भी किए। इन नतीजों के बाद उत्तर प्रदेश में विपक्ष में नया आत्मविश्वास आएग। इसके साथ ही राज्य सरकार की नीतियों और फैसलों के खिलाफ विपक्ष और आक्रामक होगा।

सपा और कांग्रेस के आगे बढ़ने की एक बड़ी वजह उत्तर प्रदेश में मायावती की पार्टी बसपा का वोट शेयर घटना रहा। कभी इस पार्टी के लिए कहा जाता था कि बसपा का करीब 20 फीसदी वोटर ऐसा है जो पूरी तरह उसके साथ रहता है। इस चुनाव यह वोट शेयर घटकर नौ फीसदी के करीब रह गया। दलित वोटों का बसपा से दुराव और सपा–कांग्रेस गठबंधन की तरफ जाना भी इसकी एक वजह रही। वहीं, मुस्लिम वोटों का एकमुश्त सपा–कांग्रेस गठबंधन को वोट देने से भी इस गठबंधन को फायदा हुआ।

वोट शेयर के लिहाज से देखेंगे तो यह सपा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 2004 में पार्टी ने 35 सीटों पर जीत दर्ज की थी। तब उसका वोट शेयर 26.74 फीसदी रहा था। वोट शेयर के लिहाज से पार्टी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1998 में था जब उसे 28.7 फीसदी वोट मिले थे। उस चुनाव में पार्टी 20 सीटें जीतने में सफल रही थी। इस बार समाजवादी पार्टी को 33 फीसदी से ज्यादा वोट मिलते दिख रहे हैं। वहीं, सपा के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस पार्टी को भी 10 फीसदी से ज्यादा वोट मिल सकता है। इस लिहाज से यह गठबंधन 43 फीसदी से ज्यादा वोट पाता दिख रहा है।

काशी में नरेन्द्र मोदी को मिली सबसे छोटी जीत कांग्रेस के अजय राय को 4 लाख मत मिले

वाराणसी (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी लोकसभा सीट तीसरी बार जीत ली है। उन्होंने कांग्रेस के प्रत्याशी अजय राय को डेढ़ लाख वोटों से हराया है। पिछले दो चुनावों में मिली जीत की तुलना करें तो इस बार मार्जिन काफी कम है। मोदी को इस बार पिछले चुनाव में मिले वोटों से भी कम मत मिले हैं। पिछले बार पीएम मोदी को 674664 वोट मिले थे। इस बार 612970 वोट ही मिल सके हैं। वहीं पिछली बार केवल 152548 वोट हासिल करने वाले कांग्रेस प्रत्याशी अजय राय को इस बार 460457 वोट मिले हैं। इस तरह पीएम मोदी ने अजय राय को 152355 वोटों से हराया है। मंगलवार की सुबह वोटिंग शुरू होने पर एक समय ऐसा भी आया जब पीएम मोदी अजय राय से पिछड़ गए थे। पोस्टल बैलेट की गिनती में पीएम मोदी को अजय राय ने छह हजार वोटों से पछाड़ भी दिया था। इसके बाद मोदी आगे निकले तो निकलते ही चले गए। बसपा के अतहर जमाल लारी को 33766 वोट मिले हैं। अगर मत प्रतिशत की बात करें तो पीएम मोदी को कुल पड़े वोटों का 54.24 फीसदी और अजय राय को 40.74 फीसदी वोट मिले हैं।

पीएम मोदी ने पहली बार 2014 में वाराणसी को चुना था। तब तीन लाख से ज्यादा वोटों से जीते। उनके सामने उतरे दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल दूसरे, सपा के कैलाश चौरसिया तीसरे और कांग्रेस के अजय राय चौथे नंबर पर थे। 2019 में पीएम मोदी दोबारा मैदान में उतरे और एकतरफा मुकाबले में जीत हासिल की। 2019 में सपा की शालिनी यादव दूसरे और कांग्रेस के अजय राय तीसरे नंबर पर थे। इस बार सपा का कांग्रेस को समर्थन था।

पिछले दो चुनावों के वोटों की बात करें दो दोनों बार ही मोदी के आने से एकतरफा मुकाबला रहा। 2019 के चुनाव में नरेंद्र मोदी को 6 लाख 74 हजार 664 वोट मिले। सपा की शालिनी यादव को केवल 1 लाख 95 हजार 159 वोट ही मिल सके थे। कांग्रेस के अजय राय को 1 लाख 52 हजार 548 वोट मिले थे। 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वाराणसी में 5 लाख 81 हजार वोट मिले थे। उन्होंने अरविंद केजरीवाल को 2 लाख 9 हजार वोटों से हराया था। कांग्रेस समेत अन्य दलों का कोई प्रत्याशी एक लाख वोट भी नहीं हासिल कर सका था।

वाराणसी लोकसभा सीट से कई दिग्गज नेता चुनाव जीतकर आए हैं। यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री कमलापति त्रिपाठी, मुरली मनोहर जोशी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के बेटे अनिल शास्त्री भी सांसद बने हैं। वाराणसी से 1957 के आम चुनाव में कांग्रेसी नेता रघुनाथ सिंह सांसद चुने गए। 1962 में भी जनता ने रघुनाथ सिंह को ही विजयी बनाया। 1967 में यहां से पहली बार सीपीएम के सत्य नारायण सिंह ने चुनाव जीता।

इण्डिया गठबंधन के राम प्रसाद चौधरी ने भाजपा के हरीश द्विवेदी को 1 लाख 958 मतों से पराजित किया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लोकसभा क्षेत्र 61 बस्ती से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी राम प्रसाद चौधरी ने 100958 मतों के भारी अन्तर से बीजेपी प्रत्याशी हरीश द्विवेदी को करारी शिकस्त दिया। बस्ती जनपद में कुल 1078313 मत पड़े थे, जिसमें एसपी को 5,24,756 मत,बीजेपी को 423798 मत मिला वही बीएसपी प्रत्याशी लव खुश पटेल को 102964 वोट से संतोष करना पड़ा ।

माना जा रहा था कि भाजपा और इण्डिया गठबंधन में कड़ा मुकाबला होगा किन्तु भाजपा प्रत्याशी बढत बना पाने में नाकाम रहे।

दोनों प्रत्याशियों की जीत पर रालोद ने साझा किया खुशियां

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राष्ट्रीय लोकदल के दो प्रत्याशी बागपत से डा. राज कुमार सांगवान और बिजनौर से चन्दन चौहान की जीत पर रालोद कार्यकर्ताओं, नेताओं में प्रसन्नता है। चुनाव परिणाम आने के बाद रालोद के नेता न्याय मार्ग स्थित पार्टी कार्यालय पहुंचे और एक दूसरे को मिठाईयां खिलाकर खुशियों को साझा किया।

पार्टी के प्रदेश महासचिव अरूणेन्द्र पटेल ने कहा कि एनडीए में शामिल होने के बाद पार्टी को केवल दो सीटें मिली थी और दोनों सीटों पर राष्ट्रीय अध्यक्ष जयन्त चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय सहित पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं के कड़े परिश्रम से जीत मिली। ऐसे समय में जब भाजपा के अनेक प्रत्याशी चुनाव हार गये यदि रालोद को और सीटे मिली होती तो उस पर सफलता मिलती है। रालोद के दोनों प्रत्याशियों बागपत से डा. राज कुमार सांगवान और बिजनौर से चन्दन चौहान की जीत पर प्रसन्नता व्यक्त करने वालों में मुख्य रूप से मण्डल अध्यक्ष सुरेन्द्र चौधरी, श्रीराम मौर्य, चन्द्रिका प्रसाद, अशरफ अली, महेन्द्र चौहान, राम कृपाल चौहान, दिनेश कुमार, मुन्नीलाल के साथ ही रालोद के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

इंडिया गठबंधन की जीत पर झूमे कांग्रेसी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती लोकसभा सीट से इंडिया गठबंधन के रामप्रसाद चौधरी ने 100958 वोटों से दो बार के सांसद हरीश द्विवेदी को चुनाव हरा दिया। उत्साहित कांग्रेसजनों ने पार्टी दफ्तर पर लड्डू बांटकर साथियों का मुंह मीठा कराया और शानदार जीत की बधाइयां दी। बस्ती लोकसभा सीट पर कांटे का मुकाबला था। आपको बता दें 2019 के लाकसभा चुनाव में रामप्रसाद चौधरी हरीश द्विवेदी के मुकाबले 30,354 वोटों से पीछे रह गये थे।

लेकिन इस बार इंडिया गठबंधन की रणनीति, कांग्रेस के न्याय पत्र के चलते अनुकूल माहौल बना और इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज कराया। कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू' ने कहा 2024 का लोकसभा चुनाव जनता ने खुद लड़ा है। भारत जोड़ों यात्रा के जरिये राहुल गांधी ने युवाओं, महिलाओं, किसानों, व्यापारियों, गरीबों और असहायों का दर्द समझा और उनकी बुनियादी जरूरतों को न्याय पत्र का हिस्सा बनाया। उन्होने सभी कार्यकर्ताओं और मतदाताओं के प्रति आभार जताया।

पार्टी कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में नर्वदेश्वर शुक्ल, मो. रफीक खां, प्रशान्त पाण्डेय, वीरेश कुमार सिंह, रामभवन शुक्ल, सुरेन्द्र मिश्रा, अनिल भारती, लालजीत पहलवान, अशोक श्रीवास्तव, अजय सिंह, राजकपूर, शौकत अली नन्हू, अलीम अख्तर, आशुतोष पाण्डेय, गिरजेश पाल, रामबचन भारती, अवधेश सिंह, नफीस अहमद, अतीउल्लाह सिद्धीकी, सरवर अंसारी, रूपेश पाण्डेय, मो. अशरफर अली, यशराज केके, सर्वेश शुक्ला, विनय तिवारी, मो. सिद्धीक, मनीष सिंह, बबलू गुप्ता, नन्हे तिवारी, इस्माइल आदि मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 5 जून 2024 बुधवार

सम्पादकीय

खण्डित जनादेश

लोकसभा चुनाव परिणामों से स्पष्ट है कि खण्डित मन का खण्डित जनादेश सामने आया है। चुनाव पूर्वानुमान पूरी तरह से ध्वस्त हो गये। उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल ने भाजपा के मार्ग में कड़ी बाधा पैदा कियरा है। यह तो तंय है कि भाजपा नीत एनडीए गठबंधन की सरकार बन जायेगी किन्तु इस बार यदि नरेन्द्र मोदी पुनः प्रधानमंत्री बनते हैं तो उन्हें कड़े विपक्ष का सामना करना होगा। मतदाताओं ने एनडीए और इण्डिया दोनों गठबंधनों को मुस्करान और चिन्तन करने का अवसर दिया है। अयोध्या में भाजपा की हार की टीस तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी रहेगा। बस्ती मण्डल में भाजपा प्रत्याशी हरीश द्विवेदी को इण्डिया गठबंधन के प्रत्याशी राम प्रसाद चौधरी और संतकबीर नगर में सपा के पप्पू निषाद ने भाजपा के प्रवीण निषाद को करारी शिकस्त दिया। डुमरियागंज से जगदम्बिका पाल चौथी बार सांसद चुने गये।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के सबसे बड़े चुनाव में जनता ने एक बार फिर चौंका दिया। लोकसभा चुनाव में आए जनादेश ने सारे अनुमानों को ध्वस्त कर दिया। रुझानों में भाजपा 250 तक भी नहीं पहुंच पा रही। अंतिम नतीजे आने तक वह एनडीए के सहयोगी दलों की मदद से 290 से ऊपर जा सकती है। इस जनादेश में कई सवाल छुपे हैं। एनडीए को 400 पार और पार्टी को 370 पार ले जाने की भाजपा की रणनीति कामयाब नहीं हो पाई। जनादेश ने साफ कर दिया कि सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे के भरोसे रहने से भाजपा का काम नहीं चलेगा। उसके निर्वाचित सांसदों और राज्य के नेतृत्व को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा। जनादेश बताता है कि गठबंधन की अहमियत का दौर 10 साल बाद फिर लौट आया है। भाजपा के पास अकेले के बूते अब वह आंकड़ा नहीं है, जिसके सहारे वह अपना एजेंडा आगे बढ़ा सके। एग्जिट पोल्स की भी हवा निकल गई। 11 एग्जिट पोल्स में एनडीए को 340 से ज्यादा सीटें मिलने का अनुमान लगाया था। तीन सर्वेक्षणों में तो एनडीए को 400 लोकसभा सीटें मिलने का अनुमान था। 1999 में 182 सीटें जीतने वाली भाजपा जब 2004 में 138 सीटों पर आ गई तो उसने सत्ता गंवा दी। उसके पास स्पष्ट बहुमत 1999 में भी नहीं था और उससे पहले भी नहीं था। फिर भी यह माना गया कि जनादेश भाजपा के 'फील गुड फैक्टर' के विरोध में था। वहीं, 2004 में भाजपा से महज सात सीटें ज्यादा यानी 145 सीटें जीतकर कांग्रेस ने यूपीए की सरकार बना ली। 2009 में कांग्रेस इससे बढ़कर 206 सीटों पर पहुंच गई, लेकिन 2014 में 44 पर सिमट गई। इसे स्पष्ट तौर पर यूपीए के लिए सत्ता विरोधी लहर माना गया।

हालांकि, जब उत्तर प्रदेश जैसे सबसे अहम राज्य के नतीजे देखते हैं तो तस्वीर इस बार अलग नजर आती है। यहां भाजपा 34–35 सीटों पर सिमटती दिख रही है, जबकि 2014 में यहां भाजपा ने 71 और 2019 में 62 सीटें जीती थीं। सबसे बड़ा नुकसान भाजपा को इसी राज्य से हुआ है। वैसे तो इस बार लोकसभा चुनाव के शुरुआती छह चरण में ही पिछली बार के मुकाबले ढाई करोड़ से ज्यादा वोटरों ने मतदान किया था। फिर भी मतदान का प्रतिशत कम रहा। इसके ये मायने निकाले जा रहे हैं कि भाजपा अबकी पार 400 पार के नारे में खुद ही उलझ गई। उसके वोट इसलिए नहीं बढ़े क्योंकि भाजपा को पसंद करने वाले वोटरों ने तेज गर्मी के बीच संभवतः खुद ही यह मान लिया कि इस बार भाजपा की जीत आसान रहने वाली है। इसलिए वोटरों का एक बड़ा तबका वोट देने के लिए निकला ही नहीं।

यह भाजपा की स्पष्ट जीत नहीं है। यह एनडीए की जीत ज्यादा है। आंकड़ों की दोपहर तक की स्थिति को देखें तो यह माना जा सकता है कि पूरे पांच साल भाजपा गठबंधन के सहयोगियों खासकर जदयू और तेदेपा के भरोसे रहेगी। इन दोनों दलों के बारे में यह कहना मुश्किल है कि ये भाजपा के साथ पूरे पांच साल बने रहेंगे या नहीं। राज्य के लिए विशेष पैकेज और केंद्र और प्रदेश की सत्ता में भागीदारी के मुद्दे पर इनके भाजपा से मतभेद के आसार ज्यादा रहेंगे। नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू, दोनों ही अतीत में एनडीए से अलग हो चुके हैं। इण्डिया गठबंधन की बात करें तो यह उसकी स्पष्ट जीत कम और बड़ी कामयाबी ज्यादा है। यह गठबंधन 200 का आंकड़ा आसानी से पार कर रहा है। इसके ये सीधे तौर पर मायने हैं कि अगले पांच साल विपक्ष केंद्र की राजनीति में मजबूती से बना रहेगा। क्षेत्रीय दल देश की राजनीति में अपरिहार्य बने रहेंगे। आंकड़ों की मानें तो इसका जवाब है हां, लेकिन इसका दूसरा जवाब यह भी है कि यह मुकाबला 2014 और 2019 में मोदी की लोकप्रियता बनाम 2024 में मोदी की लोकप्रियता का रहा। भाजपा ने नरेंद्र मोदी के चेहरे पर पहली बार 2014 का लोकसभा चुनाव लड़ा था। पहली बार में ही वह अकेले के बूते 282 सीटों पर पहुंची। 2019 में भाजपा ने 303 सीटें जीतीं। इस बार भाजपा की अपनी सीटें 240 के आसपास हैं। यानी वह 2014 से 40 सीटें और 2019 से 60 सीटें पीछे है। भाजपा को भले ही पांच साल तक आसानी से सरकार चला लेने का भरोसा हो, लेकिन उसकी निर्भरता जदयू और तेदेपा जैसे दलों पर रहेगी। भाजपा ने 10 साल स्पष्ट बहुमत से सरकार चलाई, लेकिन अब गठबंधन सरकार का दौर लौटेगा। डॉ. मनमोहन सिंह के समय कांग्रेस ने इससे भी कम सीटें लाकर गठबंधन की सरकार चलाई। अटल–आडवाणी भी भाजपा को अधिकतम 182 सीटों पर पहुंचा सके थे, लेकिन सरकार चला पाए। भाजपा की 2024 की स्थिति इससे बेहतर है। नतीजे 1991 के लोकसभा चुनाव जैसे हैं। तब कांग्रेस ने 232 सीटें जीतीं और पीवी नरसिंहा राव प्रधानमंत्री बने। उन्होंने पूरे पांच साल अन्य दलों के समर्थन से सरकार चलाई। इस बार भाजपा भी 240 के आसपास है। गठबंधन अब उसकी मजबूरी है। इसके पीछे कई चेहरे हैं। जैसे राहुल गांधी। कांग्रेस 2014 में 44 और 2019 में 52 सीटों पर थी तो उन्हें जिम्मेदार माना गया। इस बार वह 100 सीटों के करीब है। यानी पिछली बार के मुकाबले लगभग दोगुनी सीटों पर वह जीत रही है।

दूसरा बड़ा नाम है अखिलेश यादव। देशभर में भाजपा को सबसे बड़ा झटका सपा ने ही दिया है। सपा ने पिछली बार बसपा के साथ गठबंधन किया। बसपा को 10 सीटें मिली थीं, लेकिन सपा पांच ही सीटें जीत पाई थी। इस बार सपा ने कांग्रेस से हाथ मिलाया। वह 34 से ज्यादा सीटों पर जीत रही है। यह लोकसभा चुनावों में वोट शेयर के लिहाज से सपा का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन हो सकता है। 2004 के लोकसभा चुनाव में उसे 35 सीटें मिली थीं। वहीं, वोट शेयर के लिहाज पार्टी का सबसे बेहतर प्रदर्शन 1998 में था जब उसे करीब 29 फीसदी वोट मिले थे। इस बार यह आंकड़ा 33 फीसदी से ज्यादा हो सकता है। तीसरा बड़ा नाम हैं चंद्रबाबू नायडू। उनकी तेदेपा आंध्र प्रदेश में सरकार बनने के करीब है और एनडीए के सबसे अहम घटक दलों में से एक रहेगी। ऐसा ही एक नाम उद्धव ठाकरे का है। यह उनके लिए अस्तित्व की लड़ाई थी। शिंदे गुट से ज्यादा सीटें जीतकर उद्धव ठाकरे यह कहने की स्थिति में होंगे कि उनकी शिवसेना ही असली शिवसेना है। कुल मिलाकर जनादेश ने सबको चौकाया है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि राजनीति का क्या दिशा तंय होगी।

प्रकृति और पर्यावरण का सबसे बडा शत्रु स्वयं मानव

–संजीव ठाकुर–

(विश्व–पर्यावरण, दिवस 5 जून पर विशेष)

अपने विकास की क्रमिक उन्नति में मनुष्य ने जितने भी अविष्कार और विकास के कार्य किए हैं सब के सब प्रकृति एवं पर्यावरण के विरोध में ही रहे हैं। प्लास्टिक तथा पॉलीथिन का अविष्कार मानव तथा जीव जंतुओं के लिए बेहद खतरनाक साबित हुआ है। पॉलीथिन ने मानव तथा जीव जंतुओं को सबसे ज्यादा क्षति पहुंचाई है क्योंकि पॉलिथीन एक ऐसा पदार्थ है जो अत्यंत ज्वलनशील होने के साथ–साथ नष्ट ना होने वाला पदार्थ है जो मनुष्य के ।भोजन पकाने हेतु जंगल से लकड़ी काटकर धूंआ पैदा करने का काम भी मनुष्य ने ही किया है। इसी क्रम में सबसे बड़ा नुकसान पर्यावरण को औद्योगिकरण की नीति ने किया है,बड़े बड़े उद्योगों से निकलने वाले वैश्विक स्तर पर प्रदूषित वायु अपशिष्ट पदार्थों के साथ नदियों तथा समुंदर में विषैले अपशिष्ट को छोड़ने से शुद्ध जल विषैला होकर जीव जंतुओं को नष्ट करते आ रहा है। इसके पश्चात प्राकृतिक रूप से भी बाढ़, ज्वालामुखी ने प्रकृति तथा पर्यावरण को नष्ट करने का काम बखूबी किया है, पर मानव जाति ने अपने आराम तथा सुविधा के लिए स्कूटर, मोटरसाइकिल, कार और परिवहन के लिए ट्रक और डीजल एवं कोयले से चलने वाली लोकोमोटिव ने प्रकृति तथा पर्यावरण को नष्ट करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। इसके अलावा घरों कार्यालयों और कारखानों में लगाए जाने वाले वातानुकूलित यंत्रों से निकलने वाले वायु प्रदूषण के कारण ग्लोबल वार्मिंग बहुत तेजी से बढ़ते जा रही है जो मानव जाति के लिए खुद नुकसानदेह है, किंतु मानव ही पर्यावरण का सबसे बड़ा दुश्मन बन चुका है।शुद्ध वायु, जल मनुष्य तथा पृथ्वी पर निवास कर रहे जीव जंतुओं तथा हमारी वनों से आच्छादित प्यारी धरती के लिए अत्यंत आवश्यक है। पर्यावरण की असुरक्षा से धरती असुरक्षित नदियां ,असुरक्षित और धरती, जलवायु की असुरक्षा होने से जीव जंतु और मानव जाति का जीवन भी असुरक्षित हो जाएगा, ।हमें इन परिस्थितियों में पर्यावरण की सुरक्षा को प्राथमिक सुरक्षा मानकर इसकी हर संभव शुद्धता एवं परिष्करण पर सबसे ज्यादा ध्यान देना होगा। पर्यावरण से आशय 'पर' यानी मतलब चारों तरफ, और वरण का मतलब ढका हुआ माना गया है। पर्यावरण विदों के अनुसार पर्यावरण का मतलब उस अवस्था से है जो किसी जंतु, प्रकृति और मनुष्य को चारों ओर से ढक कर उसे अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है। हम सदैव पर्यावरण को प्रकृति से जोड़कर ही देखते हैं। इसीलिए मानव जीव जंतु वृक्ष सभी को स्वस्थ जीवन देने के लिए एक परिष्कृत पर्यावरण के वातावरण की निरंतर महत्वपूर्ण उपस्थिति आवश्यक होती है,किंतु जब वायु ,जल तथा प्रकृति में प्राकृतिक अथवा मानवीय अवांछनीय कार्यों से कुछ ऐसे तत्व वातावरण में प्रवेश कर जाते हैं जिससे हमारी प्रकृति, हमारा पर्यावरण प्रदूषित होने लगता है और माननीय जीवन प्रकृति के साथ नष्ट होने की कगार पर खड़ा होने लगा है। प्रगति और वातावरण यानी की पर्यावरण ने हमें सब कुछ दिया है, स्वच्छ हवा से हमें ऊर्जा,स्वच्छ जल और नवजीवन की उत्प्रेरणा प्राप्त होती है। भोपाल में मिक नामक गैस रिसाव से पर्यावरण का संतुलन बिगड़ जाने से हजारों लोगों की मृत्यु एवं उसके पश्चात शरीर में अनेक बीमारियों को जन्म दिया, जिस की विभीषिका आज भी भोपाल वासी झेल रहे हैं। इसके पश्चात मई 2020 को आंध्र प्रदेश के पॉलीमर कंपनी द्वारा स्टाइलिन नामक गैस का रिसाव हुआ एवं जून में असम गैस रिसाव से मानव जीवन को प्रभावित कर पूरे पर्यावरण को प्रदूषित कर मानव जाति तथा जीव जंतुओं के संपूर्ण जीवन को दांव पर लगा दिया था। पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तो मानव जीवन भी सुरक्षित रह पाएगा। प्रदूषण को हमें सदैव वायु प्रदूषण यानी ज्वालामुखी विस्फोट, जंगल की आग, कोहरा, परागकण, उल्कापात आदि प्राकृतिक स्रोतों से उत्पन्न वायु प्रदूषण से नियंत्रण में रखकर उसका संरक्षण करने का प्रयास करना चाहिए। मानवीय अवांछित क्रियाकलाप भी प्रकृति तथा वातावरण और पर्यावरण के लिए खतरा बनते जा रहे हैं, जिस तरह वनों की अंधाधुंध कटाई हो रही है मोटर वाहनों का बेतरतीब प्रयोग लकड़ी कोयला तथा अन्य पदार्थों के जलाने से उत्पन्न हुआ बेतहाशा कारखानों का निकलता धुंआ, ताप विद्युत गृह, खनन तथा रासायनिक पदार्थों के साथ आतिशबाजी द्वारा वायु प्रदूषण में बेतहाशा वृद्धि हो गई है। जिससे पर्यावरण अत्यंत असुरक्षित हो गया, इसके अलावा पर्यावरण की सुरक्षा तथा प्रकृति के साथ खिलवाड़ के कारण प्रकृति का तापमान भी अत्यधिक बढ़ गया है, फल स्वरूप जलवायु परिवर्तन की विभीषिका को हम बुरी तरह से झेल रहे हैं। हमें पेट्रोल की जगह गैस फ्यूल का उपयोग कर वातावरण को बचाने का प्रयास किया जाना चाहिए। वातावरण में उपस्थित अवांछित गैसीय पदार्थों के कारण अंधापन ,त्वचा रोग तथा फेफड़ों की बीमारी से होने वाले दमा रोग में बढ़ोतरी हुई है। विगत वर्षों में कोविड–19 के संक्रमण में पर्यावरण प्रदूषण के कारण लोगों को फेफड़ों में स्वच्छ ऑक्सीजन नहीं मिलने से लाखों लोग मृत्यु को प्राप्त हुए, यह एक पर्यावरण असंतुलन का सबसे बड़ा उदाहरण है ।रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन में भारी बमबारी तथा गोलीबारी से वातावरण को तहस–नहस कर दिया, वहां कई किलोमीटर क्षेत्र में शहरों में वायु प्रदूषण के कारण हजारों लोग मृत्यु की कगार पर पहुंच गए हैं एवं लाखों लोगों ने वहां से पलायन भी किया, यह सब पर्यावरण प्रदूषण के एकदम ताजा उदाहरण है जो मानवीय जीवन के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक साबित हो रहे हैं। इसके अलावा प्राकृतिक आपदा भूकंप बाढ़ तथा औद्योगिक कचरे तथा विषाक्त कार्बनिक पदार्थों सहित अन्य उत्पादकों का जल स्रोतों में डाला जाना भी पर्यावरण प्रदूषण के लिए भारी खतरा बन गया है, इसी तरह बंदरगहों में रिफाइनरी से पेट्रोलियम पदार्थ, तेल युक्त तरल पदार्थ को समुद्रों में बाहर जाना भी समुद्र में रह रहे जीव जंतुओं के लिए ज्यादा खतरनाक साबित हुए हैं। जल प्रदूषण से जल से फैलने वाली बीमारियां जैसे मलेरिया, हैजा, टाइफाइड, डेंगू पीलिया, पेचिश तथा उदर रोगों के लिए अत्यंत हानिकारक माना गया है। अन्य प्रदूषण में मृदा प्रदूषण ध्वनि प्रदूषण आदि वातावरण को प्रदूषित करते पृथ्वी तथा मानव जाति के लिए काल बन चुके हैं। तमाम सरकारी प्रयासों के बावजूद पर्यावरण प्रदूषण को कम नहीं किया जा सका है। अंतर्राष्ट्रीय सर्वे के अनुसार भारत की दिल्ली सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में गिनी जाने लगी है। और कोविड–19 के संक्रमण के दौरान यहां पर सबसे ज्यादा मौतें पर्यावरण प्रदूषण के कारण भी हुई है। प्रदूषित वातावरण के कारण बच्चों तथा बुजुर्गों की जिंदगी को सबसे ज्यादा वैज्ञानिकों ने खतरा माना है और ईससे निजात पाने के लिए शुद्ध वातावरण की आवश्यकता पर जोर दिया है। पर्यावरण को सुरक्षित ना रख पाने की दो प्रमुख वजह प्राकृतिक तथा मानव निर्मित प्रदूषण ही हैं। यह तो तय है कि प्रकृति पर मानव का कोई नियंत्रण नहीं है अतः प्राकृतिक प्रदूषण को रोक पाना मानव जाति के लिए थोड़ा कठिन एवं कष्ट साध्य कार्य सोने के अलावा थोड़ा असंभव भी प्रतीत होता है, किंतु मानव जाति द्वारा फैलाए गए प्रदूषण को रोकने के प्रयास में हमें हर संभव मदद करने की आवश्यकता होगी। और यह तो सर्वविदित तथ्य है कि यदि हमें पर्यावरण प्रदूषण को पृथ्वी तथा प्रकृति से हटाना एवं मानव जीवन को सुरक्षित रखना है तो शासकीय प्रयासों के अलावा हर व्यक्ति को वैश्विक स्तर पर पर्यावरण को सुरक्षित रखने पर जोर देना होगा अन्यथा ओजोन परत के क्षरण के कारण मानव तथा जीव जंतु तथा प्रकृति के प्रति संकट गहराता जाएगा एवं हम पर्यावरण प्रदूषण के सामने हाथ पर हाथ धरे रह जाएंगे।

चुनाव परिणामों ने बढायी बीजेपी की मुश्किलें

–अभिनव आकाश–

4 जून को आए रूझानों में 400 के आंकड़े तो दूर बीजेपी के लिए 272 के जादुई आंकड़े को भी खुद के बूते पार कर पाना अभी तक संभव नहीं हो पाया है। इसके इतर इंडिया गठबंधन भारत के तीन बड़े और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली राज्यों उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में आगे रहा। लोकसभा में इन तीन राज्यों में कुल 170 सीटें आती हैं। जो कि पूरा राजनीतिक परिदृश्य बदलने की क्षमता रखते हैं। 2014 और 2019 के बाद तीसरी बार सत्ता की हैट्रिक लगाने की उम्मीद लिए बीजेपी 2024 के रण में उतरी। वहीं मोदी सरकार के अबकी बार 400 पार के नारे को हकीकत बनने से रोकने के लिए कांग्रेस के साथ क्षेत्रीय दलों ने इंडिया ब्लॉक बनाकर चुनाव लड़ने का फैसला किया। सात चरणों में हुए चुनाव में मंगलसूत्र, आरक्षण, संविधान, पाकिस्तान ट्रेंडिग मुद्दा रहा। सभी के अपने अपने दावे रहे। 1 जून को वोटिंग के समापन के बाद आए अधिकांश एग्जिट पोल एनडीए की जीत की भविष्यवाणी करते नजर आए और कईयों ने तो 400 पार के आंकड़े को भी आसानी से पार कराने से कोई गुरेज नहीं किया। लेकिन 4 जून को आए रूझानों में 400 के आंकड़े तो दूर बीजेपी के लिए 272 के जादुई आंकड़े को भी खुद के बूते पार कर पाना अभी तक संभव नहीं हो पाया है। इसके इतर इंडिया गठबंधन भारत के तीन बड़े और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली राज्यों उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में आगे रहा। लोकसभा में इन तीन राज्यों में कुल 170 सीटें आती हैं। जो कि पूरा राजनीतिक परिदृश्य बदलने की क्षमता रखते हैं।

उत्तर प्रदेश

वैसे तो कहा जाता है कि देश के प्रधानमंत्री का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर जाता है। लेकिन ये सिर्फ बातें नहीं बल्कि इसमें सच्चाई भी नजर आती है। 2014 के चुनाव में बीजेपी गठबंधन को उत्तर प्रदेश से 73 सीटें मिली और एनडीए का आंकड़ा बहुमत के आंकड़ों को आसानी से पार गया। वहीं 2019 में भी प्रदेश के दो क्षेत्रीय दलों बसपा और सपा के साथ आने के बावजूद बीजेपी ने 64 सीटें जीतने में सफलता हासिल की और उसका आंकड़ा 300 को पार गया। लेकिन 2024 में बीजेपी और बहुमत के आंकड़े के बीच 80 सीटों वाला उत्तर प्रदेश आकर खड़ा हो गया। कांग्रेस और सपा के गठजोड़ ने बीजेपी गठबंधन को ऐसी चुनौती दी जिसकी उसे कतई उम्मीद नहीं थी। समाजवादी पार्टी तो अकेले 35 सीटों पर आगे चल रही है वहीं कांग्रेस भी अपने दो बार के प्रदर्शन में बेहतरीन सुधार करती नजर आ रही है। नतीजतन यूपी से बीजेपी की सीटें इस बार आधी से ज्यादा कम हो जा रही है। जिसका की कुल आंकड़ों पर सीधा असर पड़ा है।

पश्चिम बंगाल

पश्चिम बंगाल में ममत बनर्जी ने कांग्रेस को 2 सीटों के लायक बताते हुए पहले ही गठबंधन करने से प्रदेश में इनकार कर दिया था। वो चुनाव में एकला चलो रे की राह अपनाते हुए सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। वहीं कांग्रेस और लेफ्ट गठबंधन के जरिए चुनावी मैदान में थी। लेकिन बीजेपी को अगर इस चुनाव में किसी राज्य से सबसे ज्यादा उम्मीदें थी तो बंगाल उसमें पहले नंबर पर था। गृह मंत्री अमित शाह भी लगातार बंगाल को लेकर दावे करते नजर आ रहे थे कि पार्टी राज्य में चौंकाने वाला प्रदर्शन कर सकती है और उसका आंकड़ा 30 प्लस हो सकता है। लेकिन बंगाल में बीजेपी और प्रचंड जीत के बीच दीदी आकर ऐसी खड़ी हो गई कि उसने 2019 के प्रदर्शन को भी दोहराने से रोक दिया।

महाराष्ट्र

ऐसा लगता है कि महाराष्ट्र ने राज्य में महायुति की श्जोड़ तोड़श की राजनीति को बुरी तरह नकार दिया है। शिवसेना (यूबीटी), शरद पवार की राकांपा और कांग्रेस वाला इंडिया ब्लॉक 48 लोकसभा सीटों में से 29 पर आगे चल रहा है। लोकसभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती के छह घंटे बाद टीम ठाकरे महाराष्ट्र की 11 सीटों पर और पवार की राकांपा 5 सीटों पर आगे चल रही है। उनके अलग हुए गुट एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजीत पवार की राकांपा 5 और 1 सीटों पर आगे चल रहे हैं। कुल मिलाकर दोपहर 2 बजे तक इंडिया 29 सीटों पर और बीजेपी 18 सीटों पर आगे है। महाराष्ट्र उन राज्यों में से है जहां एनडीए को 2019 की तुलना में बड़ी सेंध लगी है। किसी अन्य राज्य में दो चुनावों के बीच राजनीतिक परिदृश्य इस प्रमुख राज्य की तरह नहीं बदला है। 2019 में बीजेपी और शिवसेना गठबंधन में थे। दोनों ने मिलकर 48 में से 41 सीटें जीतीं। राकांपा ने चार सीटें जीतीं और कांग्रेस को एक सीट मिली।

कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को छोड़कर अधिकांश नए लोगों को मैदान में उतारा। वैभव जोधपुर से 2019 का चुनाव हार गए थे। जानकारों का मानना ध्घ्है कि सहयोगियों को तीन सीटें देने का फैसला चूरू, सीकर और बांसवाड़ा में काम भी आया। कांग्रेस ने राजस्थान के पूर्वी और उत्तरी क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन किया, जहां उसने 2023 के विधानसभा चुनावों में अपनी ताकत भी साबित की। किसान मुद्दों ने शेखवाटी क्षेत्र में काम किया। पूर्वी राजस्थान में संविधान से जुड़ी चिंताएं कांग्रेस के लिए काम आईं।

2014 और 2019 के राष्ट्रीय चुनावों में राज्य में कोई भी सीट जीतने में नाकाम रहने के बाद कांग्रेस ने राजस्थान में लोकसभा चुनावों में महत्वपूर्ण वापसी की है। वह राज्य की 25 सीटों में से आठ पर आगे चल रही है जबकि उसके सहयोगी तीन पर आगे हैं। भाजपा ने एक सीट जीत ली है और 13 अन्य पर आगे चल रही है। विशेषज्ञों ने कांग्रेस के बदलाव के कारणों में बेहतर उम्मीदवार चयन को श्रेय दिया। पार्टी किसानों के गुस्से को भुनाने के अलावा आंतरिक संघर्षों से उबरने और एकजुट मोर्चा पेश करने में कामयाब रही। कांग्रेस ने संविधान में संभावित बदलावों और आरक्षण कोटा के खतरों के बारे में चिंताएं उठाकर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े समुदायों से समर्थन जुटाया। कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को छोड़कर अधिकांश नए लोगों को मैदान में उतारा। वैभव जोधपुर से 2019 का चुनाव हार गए थे। जानकारों का मानना ध्घ्है कि सहयोगियों को तीन सीटें देने का फैसला चूरू, सीकर और बांसवाड़ा में काम भी आया। कांग्रेस ने राजस्थान के पूर्वी और उत्तरी क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन किया, जहां उसने 2023 के विधानसभा चुनावों में अपनी ताकत भी साबित की।

उठ गई नीतीश कुमार को पीएम बनाने की मांग

–अंकित सिंह–

लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर सामने आए रुझानों के मुताबिक भाजपा अपने दम पर बहुमत हासिल करती हुई नहीं दिखाई दे रही है। हालांकि, भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को पूर्ण बहुमत मिला है। एनडीए में इस बार नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू की भूमिका काफी अहम रहने वाली है। नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू इस वक्त एनडीए को सरकार बनाने के लिए काफी अहम होंगे। दावा किया जा रहा है कि इंडिया गठबंधन की ओर से भी इनसे संपर्क करने की कोशिश हो रही है। इन सब के बीच जदयू की ओर से नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री बनाने की मांग कर दी गई है। बिहार में अब तक नीतीश कुमार की पार्टी जदयू 16 में से 14 सीटों पर आगे चल रही है। जदयू का परफॉर्मेंस इस बार बढिया है।

जेडीयू एमएलसी डॉ खालिद अनवर ने कहा कि नीतीश कुमार से बेहतर पीएम कौन हो सकता है?... नीतीश कुमार एक अनुभवी राजनेता हैं जो समाज और देश को समझते हैं। और वह सभी लोकतांत्रिक संस्थाओं का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि हम अभी तो एनडीए गठबंधन का हिस्सा हैं, लेकिन पहले और आज भी लोग चाहते थे कि नीतीश कुमार पीएम बनें, आज के नतीजे के बाद लोगों की उम्मीदें बढ़ गई हैं। चूंकि इंडिया ब्लॉक और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सीटों की संख्या के बीच का अंतर उम्मीद से कम था, कांग्रेस ने चतुराई से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं को प्रस्ताव भेजा।

नीतीश कुमार की जेडीयू बिहार में जिन 16 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ी उनमें से 14 पर आगे थी। उम्मीद थी कि चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी भी इसी तरह का प्रदर्शन करेगी। दोनों के पास कुल मिलाकर लगभग 28 लोकसभा सीटें होंगी, जो लौकिक किंगमेकर बनने के लिए पर्याप्त हैं। जब वफादारी बदलने की बात आती है तो नीतीश कुमार का अतीत परेशानी भरा रहा है। कुछ ही महीने पहले, वह इंडिया ब्लॉक से भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले एनडीए में शामिल हो गए। विडंबना यह है कि यह कुमार ही थे जिन्होंने आंतरिक विरोधाभासों से भरे असंभावित गठबंधन को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जबकि दूसरी ओर आम चुनाव के रुझानों में सत्तारूढ़ भाजपा के बहुमत से दूर रहने के संकेत मिलने के बाद मंगलवार को शेयर बाजार में भारी गिरावट हुई। इस दौरान प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लगभग छह प्रतिशत टूट गए। यह किसी एक दिन में पिछले चार साल की सबसे बड़ी गिरावट है। इससे पहले सोमवार को तीन प्रतिशत से अधिक की तेज बढ़त के बाद मंगलवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 4,389.73 अंक या 5.74 प्रतिशत फिसलकर दो महीने के निचले स्तर 72,079.05 अंक पर बंद हुआ।

दिन में कारोबार के दौरान सेंसेक्स 6,234.35 अंक या 8.15 प्रतिशत गिरकर लगभग पांच महीने के निचले स्तर 70,234.43 अंक पर आ गया था। इस दौरान नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 1,982.45 अंक या 8.52 प्रतिशत गिरकर 21,281.45 अंक पर आ गया। बाद में यह 1,379.40 अंक या 5.93 प्रतिशत के बड़े नुकसान के साथ21,884.50 अंक पर बंद हुआ। इससे पहले 23 मार्च, 2020 को कोविड–19 महामारी के कारण लॉकडाउन लगाए जाने पर सेंसेक्स और निफ्टी में करीब 13 प्रतिशत की गिरावट हुई थी।

कीर्ति वर्धन सिंह की हैट्रिक, श्रेया वर्मा की हार

संवाददाता–गोण्डा। रामनगरी अयोध्या से सटे गोंडा लोकसभा सीट पर सांसद कीर्तिवर्धन सिंह ने भाजपा के टिकट पर हैट्रिक लगाकर इतिहास रच दिया है। कीर्तिवर्धन सिंह को 474258 वोट मिले हैं। उन्होंने सपा उम्मीदवार और पूर्व केंद्रीय मंत्री बेनी वर्मा की पौत्री श्रेया वर्मा को 46224 मतों से पराजित किया। श्रेया वर्मा को 428034 वोट मिले हैं। भाजपा के कीर्तिवर्धन सिंह ने 46117 वोटों की बढ़त बना ली है। कीर्तिवर्धन 472651 वोटों से आगे चल रहे हैं। समाजवादी पार्टी की श्रेया वर्मा 426534 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। बसपा प्रत्याशी 29316 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। यहां चुनाव पांचवें चरण में 20 मई को हुआ था। भाजपा के कीर्तिवर्धन सिंह को अब तक 372249 वोट मिले हैं। 48286 वोटों की बढ़त के साथ कीर्तीवर्धन सबसे आगे चल रहे हैं। दूसरे स्थान पर सपा की श्रेया वर्मा हैं जिन्हें 331979 वोट मिले हैं। भाजपा के कीर्तीवर्धन सिंह 214272 वोटों के साथ सबसे आगे चल रहे हैं। 16003 वोटों की बढ़त बनाते हुए उन्होंने सपा की श्रेया वर्मा को पछाड़ दिया। श्रेया वर्मा 198269 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। भाजपा के कीर्तीवर्धन सिंह ने बढ़ते बनाते हुए 139846 वोट हासिल कर लिए हैं। वो 22821 वोटों से आगे चल रहे हैं। दूसरे स्थान पर सपा की श्रेया वर्मा को 117025 वोट मिले हैं। भाजपा के कीर्तिवर्धन सिंह आगे चल रहे हैं। सपा प्रत्याशी श्रेया वर्मा दूसरे स्थान पर हैं। और बसपा तीसरे स्थान पर है। कीर्तिवर्धन सिंह ने शुरुआती रुझानों में बढ़त बनाते हुए सपा और बसपा को पछाड़ दिया है।

गोंडा सीट पर 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के कीर्तिवर्धन सिंह को कुल पड़े वोटों में से 359,643 (41.2:) वोट मिले थे। जबकि समाजवादी पार्टी की नंदिता शुक्ला को 199,227 यानी 22.8: वोट हासिल हुए थे। इस तरह कीर्तिवर्धन ने 160,416 (18.4:) मतों के अंतर से 2014 का चुनाव जीत लिया था। तीसरे स्थान पर बसपा के अकबर अहमद डंपी रहे थे। डंपी को उस चुनाव में 116,178 (13.3:) वोट मिले थे। कांग्रेस के कद्दावर नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री बेनी प्रसाद वर्मा को 2014 में तगड़ा झटका लगा। उन्हें सिर्फ 102,254 (11.7:) वोटों से संतोष करना पड़ा। वह चौथे स्थान पर रहे। 2019 के चुनाव में भी भाजपा से मैदान में उतरे कीर्तिवर्धन सिंह ने जीत के सिलसिले के कायम रखते हुए सपा के विनोद कुमार सिंह उर्फ पंडित सिंह को हरा दिया था। उस चुनाव में कीर्ति वर्धन सिंह को 508190 वोट मिले जबकि सपा के विनोद कुमार उर्फ पंडित सिंह 3,41,830 वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। कांग्रेस के कृष्णा पटेल 25,686 वोटों से तीसरे स्थान पर थे।

गोंडा लोकसभा सीट से 1967 में सुचेता कृपलानी यहां से चुनाव लड़ा और जीता था। वह देश की पहली महिला मुख्यमंत्री रहीं। चुनावी इतिहास पर नजर डालें तो 1952 में इस क्षेत्र में दो संसदीय सीटें थीं। गोंडा नॉर्थ सीट से तब चौधरी हैदर हुसैन ने जीत हासिल की थी जबकि गोंडा वेस्ट सीट से हिंदू महासभा की शकुंतला नायर की जीत हुई थी। 1957 के चुनाव में कांग्रेस के दिनेश प्रताप सिंह ने गोंडा सीट से जीत हासिल की थी। गोंडा लोकसभा क्षेत्र के तहत विधानसभा की कुल पांच सीटें आती हैं। पांचों पर भाजपा का कब्जा है। गोंडा सदर सीट से भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह के बेटे प्रतीक भूषण सिंह विधायक हैं। वहीं बृजभूषण शरण सिंह खुद गोंडा संसदीय सीट से सांसद रह चुके हैं। उन्होंने 1991 और 1999 में इस सीट से जीत हासिल की थी। 1991 के बाद भाजपा अब तक चार बार इस सीट पर जीत हासिल कर चुकी है। जबकि सपा ने 2 बार और एक बार कांग्रेस ने जीत हासिल की। 2009 के चुनाव में कांग्रेस के बेनी प्रसाद वर्मा ने जीत हासिल की जिनकी पोती श्रेया वर्मा इस बार सपा से मैदान में हैं।

महराजगंज में भाजपा को मिली जीत

संवाददाता–महराजगंज। महराजगंज से छह बार सांसद बन चुके पंकज चौधरी एक बार फिर भाजपा के प्रत्याशी हैं। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी अब तक यहां से आठ बार लड़े हैं, जिसमें सिर्फ दो बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। कांग्रेस ने विधायक वीरेन्द्र चौधरी को मैदान में उतारा है। वीरेन्द्र चौधरी अपनी बिरादरी का वोट सहेजने के साथ मुस्लिम, यादव गठजोड़ को भी जीत का आधार मानकर चल रहे हैं। बसपा ने इस सीट पर मोहम्मद मौसमे आलम को उतारा है। बसपा दलित मतदाताओं के साथ यदि मुस्लिम मतों में सेंध लगा गई तो कांग्रेस प्रत्याशी की मुश्किल बढ़ जाएगी। महराजगंज लोकसभा चुनाव में अब तक की मतगणना में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री व भाजपा प्रत्याशी पंकज चौधरी मतों से आगे चल रहे हैं। उन्हे 471180 मत मिले हैं, जबकि उनके प्रतिद्वंदी कांग्रेस प्रत्याशी वीरेंद्र चौधरी को 457469मत मिले हैं। बसपा प्रत्याशी मो. मौसमे आलम को 27188 मत मिला है।

महराजगंज लोकसभा चुनाव में अब तक की मतगणना में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री व भाजपा प्रत्याशी पंकज चौधरी 13603मतों से आगे चल रहे हैं। उन्हे 451047मत मिले हैं, जबकि उनके प्रतिद्वंदी कांग्रेस प्रत्याशी वीरेंद्र चौधरी को 437444मत मिले हैं। बसपा प्रत्याशी मो. मौसमे आलम को 26063मत मिला है। महराजगंज लोकसभा चुनाव में अब तक की मतगणना में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री व भाजपा प्रत्याशी पंकज चौधरी 18315मतों से आगे चल रहे हैं। उन्हे 416385मत मिले हैं, जबकि उनके प्रतिद्वंदी कांग्रेस प्रत्याशी वीरेंद्र चौधरी को 398070मत मिले हैं। बसपा प्रत्याशी मो. मौसमे आलम को 24170मत मिला है। महराजगंज लोकसभा चुनाव में अब तक की मतगणना में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री व भाजपा प्रत्याशी पंकज चौधरी 14990 मतों से आगे चल रहे हैं। उन्हे 376997मत मिले हैं, जबकि उनके प्रतिद्वंदी कांग्रेस प्रत्याशी वीरेंद्र चौधरी को 339402 मत मिले हैं। बसपा प्रत्याशी मो. मौसमे आलम को 22033 मत मिला है। महराजगंज लोकसभा चुनाव में अब तक की मतगणना में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री व भाजपा प्रत्याशी पंकज चौधरी 12325 मतों से आगे चल रहे हैं। उन्हे 336170 मत मिले हैं, जबकि उनके प्रतिद्वंदी कांग्रेस प्रत्याशी वीरेंद्र चौधरी को 323845 मत मिले हैं। बसपा प्रत्याशी मो. मौसमे आलम को 19564 मत मिला है।

ट्रक की चपेट में आने से मां-बेटे की मौत

संवाददाता–महराजगंज। गोरखपुर सोनौली राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार को दिन में साढ़े चार बजे के करीब अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार मां–बेटे की मौत हो गई। वहीं बाइक चालक गंभीर रूप से घायल है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए। चीख पुकार से कलेजा फट रहा था। सूचना के एक घंटे बाद तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची थी। गोरखपुर जिले के कैंपियरगंज क्षेत्र के लक्ष्मीपुर निवासी दिलीप यादव (21) अपने साथ प्रियंका (35) व बेटा अंकुश (5) निवासी पिपरा निचलौल को साथ लेकर फरेंदा क्षेत्र में दवा कराने के लिए आया था। दवा कराने के बाद बाइक से वापस घर लौट रहा था। अभी वह कैंपियरगंज जंगल के मरचाहे बाबा की कुटी के पास पहुंचा था कि सामने से आ रही ट्रक की चपेट में आ गए, जिससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना को देखकर काफी संख्या में भीड़ लग गई। स्थानीय लोगों ने हादसे की सूचना एंबुलेंस को दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनकटी ले गई। चिकित्सकों ने मां–बेटे को मृत घोषित कर दिया। वहीं बाइक चालक दिलीप यादव गंभीर रूप से घायल है।

देश भ्रमण के बाद श्री राम को समर्पित होगी धनुष –श्रीनिवास शास्त्री

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। दक्षिण भारत से श्रीराम धनुष अयोध्या पहुंचा। जिसे सोमवार की देरशाम गाजे–बाजे संग नगर भ्रमण कराया गया। श्रीराम धनुष की नगर भ्रमण शोभायात्रा मुरारी दासजी के स्थान से प्रारंभ होकर नयाघाट, तुलसी उद्यान होते हुए हनुमानगढ़ी पहुंची। जो हनुमानगढ़ी, दिगंबर अखाड़ा, निर्मोही बाजार, तपस्वी छावनी चौराहा होते हुए पुनः अपने गंतव्य को वापस लौटी। सर्वप्रथम वैदिक मंत्रोच्चारण संग श्रीराम धनुष का पूजन–अर्चन किया गया। उसके बाद शोभायात्रा निकली, जिसमें काफी संख्या में साधु–संत, विद्यार्थी एवं भक्तगण शामिल रहे। इस अवसर पर अयोध्या भाग्यनगर सीताराम सेवा फाउंडेशन के अध्यक्ष आचार्य श्रीनिवास शास्त्री ने बताया कि पूजन–अर्चन कर श्रीराम धनुष को नगर भ्रमण कराया गया। जिसको लेकर हम बुधवार की देरशाम अयोध्या से निकलेंगे। राम वनगमन मार्ग होते हुए श्रीलंका तक जायेंगे। उसके बाद श्रीलंका से लौटकर अयोध्या आयेंगे। इस कार्य में लगभग एक वर्ष का समय लगेगा। उन्होंने कहा कि इस श्रीराम धनुष को श्रीरामजन्मभूमि के प्रथम तल पर रामदरबार में स्थापित किया जायेगा। यह पावन भूमि अयोध्याधाम है, जहां मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम ने जन्म लिया। भगवान श्रीराम हम सबके आराध्य है। श्रीराम जैसा कोई नही, उन्होंने पूरी दुनिया को मानवता का पाठ पढ़ाया। आज पूरा विश्व भगवान श्रीराम का अनुसरण कर रहा है।

सुबह तेज हवा के साथ हुई बारिश, दोपहर में धूप से बढ़ी उमस

संवाददाता–महराजगंज। जिले में मंगलवार सुबह करीब आठ बजे मौसम ने अचानक करवट ले लिया। हवा के साथ बारिश हुई। इससे लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली, लेकिन दोपहर में चटक धूप से उमस बढ़ गई। वहीं बिजली कटौती से लोग परेशान रहे। निचलौल क्षेत्र निवासी मेवालाल, विकास गौतम, परवीन, नगीना आदि ने कहा की सुबह दिन निकलने के बाद मौसम साफ था। करीब आठ बजे के बाद मौसम ने अचानक करवट ले ली। उसके बाद निचलौल के साथ ही ठूठीबारी, झुलनीपुर, बरगदवा, नौतनवा, फरेंदा, महराजगंज, चौक सहित अन्य जगहों पर करीब डेढ़ घंटे तक रुक–रुक कर हवा के साथ बारिश हुई। बारिश के बाद लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली। तेज हवाओं के साथ बारिश में शहर से लेकर गांव तक बिजली कटौती हो गई। वहीं दोपहर में मौसम साफ होते ही चटक धूप हो गई। उसके बाद उमस से लोग बिलबिला उठे। करीब तीन बजे बिजली आने के बाद लोगों को राहत मिली। जहां सुबह आठ बजे तापमान 20 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं दोपहर में धूप निकलते ही 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। 18 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के साथ ही 44 फीसदी आर्द्रता बनी रही। बादलों की घेराबंदी ने मंगलवार को लोगों को बीते सोमवार को हुई प्रचंड गर्मी से राहत दिला दी। सुबह बारिश दोपहर में धूप और फिर शाम को मध्यम हवा के साथ हल्के बादल छाए रहने की वजह से अधिकतम तापमान चार डिग्री सेल्सियस लुढ़क गया। जानकारी के मुताबिक राहत का यह दौर बुधवार को भी जारी रहेगा और मिले–जुले मौसम के बीच अधिकतम तापमान 41 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। इस दौरान लोगों को रात की गर्मी से भी निजात मिलेगी। बारिश से धान की बेहन डाले किसानों के चेहरे खिल गए हैं। वहीं सब्जी की खेती करने वाले किसानों के चेहरे पर भी मुस्कान देखने को मिली। किसान शंकर सहानी, रामकरन, विनोद सहानी आदि ने कहा की पिछले कई दिनों से जिले में हल्की बारिश हो रही है। इसी बीच तेज धूप व तापमान सामान्य से ज्यादा होने के कारण फसलों के सूखने की स्थिति पैदा हो गई थी। खेतों में पानी की कमी के कारण ज्यादातर किसान खेतों में पानी लगा रहे थे। इससे खेती की लागत बढ़ रही थी। वहीं बारिश होने से धान की फसल के साथ ही सब्जी और गन्ने को संजीवनी मिल गई है। वसूली विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विजय चंद्रन ने कहा की इस समय बारिश उपयुक्त समय पर हो रही है। फसलों पर इसका काफी अच्छा प्रभाव पड़ेगा। उत्पादन लागत में कमी आएगी।

जश्न में डूबे भाजपा कार्यकर्ता, विपक्षियों में खामोशी

संवाददाता–महराजगंज। महराजगंज लोक सभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी पंकज चौधरी की सातवीं बार जीत दर्ज की तो कार्यकर्ता खुशी से झूम उठे। कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया। वहीं पराजित होने वाले दलों के कार्यकर्ताओं में खामोशी देखी गई।

महराजगंज शहर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुशी का इजहार किया। फरेंदा रोड पर वरिष्ठ भाजपा नेता ब्रजेंद्र नाथ त्रिपाठी के आवास पर बाहर सर्विस लेने में टेंट लगा हुआ था। यहा माला मंगाया गया था। कार्यकर्ता परिणाम आने के बाद खुशी से गदगद हो उठे। हालांकि जुलूस नहीं निकला। कार्यकर्ताओं ने अपने हिसाब से खुशी मनाया। भाजपा के पूर्व विधायक बजरंग बहादुर सिंह के कार्यालय पर सुबह से ही कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ रही। मतगणना शुरू हुई तो टीवी व मोबाइल के माध्यम से कार्यकर्ता पल पल का अपडेट लेते रहे। जैसे ही प्रत्याशी पंकज चौधरी के जीत की जानकारी मिली तो एक दूसरे को बधाई देते हुए मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया।

पूर्व विधायक चौधरी शिवेन्द्र सिंह व पूर्व चेयरमैन राजेश जायसवाल के आवास पर भी कार्यकर्ताओं ने जीत का जश्न मनाया। इस दौरान राघवेंद्र तिवारी, ग्राम प्रधान नरेंद्र यादव, पूर्व प्रधान हीरा गुप्ता, सुनील यादव, अवधराज, रमाकांत चौहान, बृजेश आदि मौलूद रहे। वहीं भगवतनगर परसिया में ग्राम प्रधान बबलू गुप्ता के आवास पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया।

केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री के सातवीं बार जीत दर्ज करने पर सभी लोगों ने बधाई देते हुए पटाखे फोड़े। बबलू गुप्ता ने कहा कि कार्यकर्ताओं के लगन व केंद्र सरकार के बेहतर कार्यों की बदौलत भाजपा सत्ता में तीसरी बार लौटी है। इस दौरान चंद्रशेखर मिश्रा, त्रियुगीनरायन पाल, बुद्धू चौहान सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्रावस्ती लोकसभा सीट पर सपा ने लहराया परचम, सिरमौर बने राम शिरोमणि वर्मा

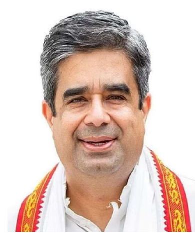

संवाददाता–श्रावस्ती। श्रावस्ती संसदीय सीट पर सपा ने शानदार जीत दर्ज कर राजनीतिक पंडितों के कयासों को सिरे से खारिज कर दिया। सपा–कांग्रेस गठबंधन का मौजूदा बसपा सांसद राम शिरोमणि वर्मा को प्रत्याशी बनाने का दांव काम कर गया। भाजपा प्रत्याशी साकेत मिश्र का समीकरण साधने के लिए चले सारे पैंतरे सियासी मैदान में टिक नहीं सके। सपा ने पहले ही राउंड से लीड की शुरुआत की, जो हर राउंड में बढ़ती रही, बीच में नौवें व दसवें राउंड में जीत के अंतर में आंशिक गिरावट दर्ज की गई, लेकिन अगले ही राउंड में फिर जीत के अंतर को बढ़ाने में सफल रही।

श्रावस्ती से सपा समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी राम शिरोमणि वर्मा ने भाजपा प्रत्याशी साकेत मिश्र को 74 हजार 485 मतों से पराजित कर दिया। राम शिरोमणि वर्मा को 5 लाख 5 हजार 835 मत मिले। वहीं, साकेत मिश्र को 4 लाख, 31 हजार 350 मत मिले।

अंबेडकरनगर से चल कर वर्ष 2019 में श्रावस्ती संसदीय सीट से बसपा व सपा गठबंधन में बसपा प्रत्याशी के तौर पर राम शिरोमणि वर्मा ने महज 5,320 मतों से जीत दर्ज की थी। उस समय राम शिरोमणि वर्मा को 4,41,771 व भाजपा के दद्दन मिश्र को 4,36,451 मत हासिल हुए थे। उस समय कांग्रेस से पूर्व विधायक धीरेंद्र प्रताप सिंह भी मैदान में थे और उन्हें 58,042 मत मिले थे। साल 2019 के परिणाम से यह माना गया था कि कांग्रेस प्रत्याशी ने भाजपा को नुकसान किया। इससे मामूली मतों के अंतर से गठबंधन प्रत्याशी ने जीत दर्ज की। इस बार बसपा ने मुईनुद्दीन अहमद खां उर्फ हाजी दद्दन खां को प्रत्याशी बनाया। जिनसे सपा–कांग्रेस गठबंधन को नुकसान होने का अनुमान लगाकर भाजपा में उत्साह रहा। इसके साथ ही भाजपा ने मंडल की श्रावस्ती सीट पर सबसे अधिक जोर भी लगाया। परिस्थितियां विपरीत होने के बाद भी सपा पूरे आत्मविश्वास में रही कि यहां जीत दर्ज की जा सकती। इसी के आधार पर पिछड़ा, अल्पसंख्यक और दलित मतदाताओं को साधने का दांव तो चला ही साथ ही बहुत सधे तरीके से सवर्ण मतदाताओं को भी पाले में लाने की कोशिश की। इसी का परिणाम रहा कि सपा को देवीपाटन मंडल में बड़ी जीत मिली।

छावनी में तब्दील रहा कलेक्ट्रेट, तीन स्तर की रही सुरक्षा

संवाददाता–श्रावस्ती। मंगलवार को हुई लोकसभा चुनाव की मतगणना के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। पूरे कलेक्ट्रेट को छावनी में तब्दील कर दिया गया था। तीन स्तर की सुरक्षा की गई थी। जिसमें कलेक्ट्रेट के बाहर चारो ओर सुरक्षा कर्मी तैनात रहे। मंगलवार सुबह तेज आंधी और बरसात ने मतगणना को कुछ देर के लिए प्रभावित किया। लेकिन तय समय पर मतगणना शुरू कर दी गई। मतगणना को शांतिपूर्ण तरीके से कराने के लिए कलेक्ट्रेट में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। कलेक्ट्रेट के बाहर चारो ओर सुरक्षा कर्मी तैनात रहे। इसके बाद गेट पर भी कड़ी सुरक्षा रही। सुरक्षा कर्मी बिना प्रवेश पत्र के कलेक्ट्रेट के अंदर नहीं जाने दे रहे थे। इसके साथ ही मतगणना स्थल के चारो ओर सुरक्षा कर्मियों का कड़ा पहरा रहा। मतगणना स्थल पर भी बिना प्रवेश पत्र के अंदर नहीं जाने दिया जा रहा था। सुबह से शाम तक शांतिपूर्ण तरीके से मतगणना हुई।

चुनाव परिणाम जानने को हर कोई दिखा उत्सुक

संवाददाता–श्रावस्ती। लोकसभा चुनाव की मतगणना के नतीजे जानने को लोग सुबह से ही लोग टीवी से चिपके रहे। नतीजे देखने के लिए जगह जगह लोग टीवी के सामने जुटे रहे। इससे दुकानों पर भीड़ कम व बाजार में सन्नाटा पसरा रहा। श्रावस्ती लोकसभा सीट पर श्रावस्ती जिले की दो विधानसभाओं की मतगणना सुबह आठ बजे से शुरू हुई।

मतगणना शुरू होते ही लोगों में नतीजे जानने की उत्सुकता बढ़ गई और लोग मतगणना के नतीजे देखने के लिए टीवी के सामने एकत्र होने लगे। वहीं नतीजे जानने के लिए सोशल मीडिया पर भी लोगों की होड़ लग गई। ह्वाट्सएप ग्रुप हो या फिर फेसबुक सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लोग नजर गड़ाए रहे। दिन भी एक दूसरे से फोन कर आपके यहां क्या चल रहा है और चुनावी रुझान क्या है आदि पूछने का सिलसिला जारी रहा। चुनाव परिणाम के कारण शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों की सड़कें सुनसान दिखी। दुकानों पर ग्राहक कम नजर आए। दुकानदार भी टीवी और मोबाइल के माध्यम से मतगणना के नतीजे जानने में व्यवस्त दिखे। सिरसिया इलाके के चिल्हरिया मोड़ पर कुछ लोग मोबाइल पर न्यूज के माध्यम से चुनावी रुझान देखते मिले। इसी तरह शहर से लेकर गांव तक हर कोई चुनाव के नतीजे जानने के लिए सुबह से शाम तक उत्सुक रहा।

देवरिया में भाजपा ने लहराया जीत का परचम

संवाददाता–देवरिया। देवरिया संसदीय सीट पर भाजपा के शशांक मणि, आइएनडीआइ गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी अखिलेश प्रताप सिंह व बसपा के संदेश यादव ने जीत के लिए पूरा जोर लगाया है। बड़े नेताओं ने भी माहौल बनाने का प्रयास किया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी व सपा मुखिया अखिलेश यादव की जोड़ी ने भाजपा पर खूब तीर छोड़े। देवरिया लोकसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी ने बैतालपुर बरपार के रहने वाले समाजसेवी शशांक मणि त्रिपाठी को प्रत्याशी बनाकर उस विरोध को समाप्त कर दिया है, जो पिछले दो चुनाव के दौरान देवरिया में बाहरी प्रत्याशी को लेकर उपजा था। शशांक मणि पूर्व सांसद और पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी के बेटे हैं। कांग्रेस ने पूर्व विधायक अखिलेश सिंह को मैदान में उतारा है। दोनों प्रत्याशी पहली बार आमने सामने आए हैं। बहुजन समाज पार्टी ने संदेश यादव को प्रत्याशी बनाकर गठबंधन के यादव वोट बैंक में सेंधमारी का प्रयास किया है। शशांक मणि ने 34842 मतों से कांग्रेस को हरा दिया है। देवरिया का इतिहास काफी पुराना है। माना जाता है कि देवरिया नाम की उत्पत्ति 'देवारण्य' या 'देवपुरिया' से हुई थी। आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार, 'देवरिया' नाम इसके मुख्यालय के नाम से लिया गया है और इसका मतलब होता है एक ऐसा स्थान, जहां कई मंदिर होते हैं। संत देवरहा बाबा की धरती के रूप में इसकी विशेष ख्याति है। बिहार राज्य से सीमा साझा करने वाली देवरिया संसदीय सीट का इतिहास देश के पहले लोकसभा चुनाव 1952 से शुरू होता है। 2014 में यहां से कद्दावर भाजपा नेता कलराज मिश्र जीते थे। उसके बाद रमापति राम त्रिपाठी ने 2019 में भाजपा को जीत दिलाई। यहां लंबे समय तक कांग्रेस का दबदबा रहा है। विधानसभा, स्थानीय मुद्दे और डेमोग्राफी 1952 में गोरखपुर से अलग हुआ देवरिया जिला कभी गन्ना की खेती के लिए जाना जाता था। क्षेत्र में 14 चीनी मिलें थीं। गन्ने का बकाया मूल्य भुगतान न होने के कारण यहां के किसानों का गन्ने की खेती से मोहभंग होता गया। औद्योगिक शून्यता, बाढ़, बेरोजगारी प्रमुख मुद्दे हैं। देवरिया लोकसभा के अंतर्गत देवरिया, तमकुही राज, फाजिलनगर, पथरदेवा, रामपुर कारखाना विधानसभा सीटें हैं। 2011 की जनगणना के जिले की आबादी 31 लाख से ज्यादा है। देवरिया की खास बातें देवरिया से पहले सांसद विश्वनाथ राय थे। देवरिया लोकसभा के अंतर्गत देवरिया, तमुकही राज, फाजिलनगर,, पथरदेवा, रामपुर कारखाना विधानसभा हैं। देवरिया कभी कोशल राज्य का हिस्सा हुआ करता था। गांधी जी ने देवरिया और पडरौना में 1920 में जनसभा को संबोधित किया था। देवरिया जिला गोरखपुर से 16 मार्च 1946 को अलग हुआ था।

बजरंगबली के जयकारों से गूंजे हनुमान मंदिर

संवाददाता–श्रावस्ती। ज्येष्ठ माह के दूसरे बड़े मंगल पर हनुमान मंदिरों में विविध आयोजन किए गए। जगह–जगह पंडाल लगाकर प्रसाद व शर्बत वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। लोगों ने हनुमान मंदिरों में जाकर माथा टेका और पूजा अर्चना किया। भिनगा के हनुमान मंदिर में मंगलवार को सुबह स्नान कर भारी संख्या में भक्त पहुंचे। यहां हनुमान जी के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ लगी रही। लोगों ने प्रसाद चढ़ाकर अपने मंगल की कामना की साथ ही हनुमान जी की पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की। नई बाजार व पुरानी बाजार में पंडाल लगाकर लंगर का आयोजन किया गया। जहां लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इसी तरह से विभूतिनाथ में स्थित हनुमान मंदिर में दूर दराज से श्रद्धालु सुबह पहुंचे। लोगों ने दर्शन किया, पूजा अर्चना की और प्रसाद चढ़ाया। सिरसिया के हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की गई। साथ ही कुछ स्थानों पर पंडाल लगाक लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। करवा इकौना स्थित साईं मंदिर के निकट विवेकानंद इंटर कॉलेज की ओर से पंडाल लगाकर प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां लोगों को खीर पूड़ी, सब्जी चावल आदि का प्रसाद ग्रहण कराया गया। इस मौके पर प्रबंधक दिनेश मिश्रा, सत्य प्रकाश मिश्रा, विवेक मिश्रा, सौरभ मिश्रा, राजन शर्मा, राजेश मौर्य, नरेंद्र श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे। इकौना के ही गौतम नगर में शक्ति मां दुर्गा मंदिर पर हलवा का प्रसाद वितरण किया गया। इसी तरह अन्य स्थानों पर भी लंगर लगाकर लोगों को प्रसाद ग्रहण कराया गया।

तेज हवाओं के साथ हुई बरसात ने गर्मी से दिलाई राहत

संवाददाता–बलरामपुर। पिछले एक माह से लगातार पड़ रही भीषण गर्मी से लोगों को मंगलवार सुबह राहत मिली। भोर पहर छह बजे तेज आंधी के साथ करीब आधा घंटे तक झमाझम बरसात हुई जिससे एक ओर जहां तापमान में गिरावट आई वहीं गन्ना व सब्जी फसल को भी लाभ पहुंचा है। मंगलवार को सुबह करीब छह बजे आसमान में काले बादल छा गए। तेज हवाओं के साथ बरसात शुरू हुई। करीब आधे घंटे तक झमाझम बारिश होती रही। बरसात से एक ओर जहां भीषण गर्मी से लोगों को राहत मिली वहीं गन्ना व सब्जी फसल को सिंचाई मिलने से लाभ पहुंचा है। किसान बृजलाल, श्रवण कुमार व कपिल मुनि बताते हैं कि इस बार भीषण गर्मी पड़ रही है। खेत व फसलें सूख रही थीं। गन्ना फसल को बचाने के लिए किसान कर्ज इत्यादि लेकर सिंचाई कर रहे थे। वहीं धान की नर्सरी लगाने के लिए खेतों की जुताई भी नमी न होने के कारण किसान नहीं कर पा रहे थे। मंगलवार को हुई बरसात से फसलों को फायदा हुआ है। खेतों में सूख रही गन्ने व सब्जी की फसल को बारिश से लाभ पहुंचा है। वहीं खेतों में नमी बढ़ने के कारण अब किसान धान नर्सरी लगाने के लिए खेतों की जुताई कर सकेंगे। मंगलवार को हुई बरसात से निचले स्थानों पर जल भराव हो गया। नालियों व सड़कों की सफाई न होने के कारण बारिश का पानी सड़कों पर भर गया जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी उठानी पड़ी।

बृजभूषण सिंह के बेटे का दबदबा कायम, सपा ने दी टक्कर, बसपा प्रत्याशी जमानत भी नहीं बचा पाए

संवाददाता–गोण्डा। कैसरगंज लोकसभा सीट पर बृजभूषण सिंह के बेटे करण भूषण सिंह ने अपनी जीत दर्ज कराई है। करण भूषण की जीत से भाजपा खेमे में खुशी का माहौल है। इन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सपा के भगत राम मिश्रा को 148843 वोट से पराजित किया। यहां से बसपा प्रत्याशी नरेंद्र पांडे अपनी जमानत भी नहीं बचा पाए। बीजेपी ने इस बार बृजभूषण सिंह का टिकट काटकर उनके बेटे करण भूषण सिंह को कैसरगंज लोकसभा सीट से अपना प्रत्याशी बनाया था।

कैसरगंज लोकसभा सीट पर पूरे प्रदेश ही नहीं बल्कि देशभर की निगाहें थीं। नामांकन शुरू होने के बाद इस सीट पर बीजेपी ने करण भूषण को प्रत्याशी बनाया। सपा भी बीजेपी के प्रत्याशी का इंतजार कर रही थी।

बीजेपी का प्रत्याशी घोषित होने के दूसरे दिन सपा ने यहां से भगतराम मिश्रा को अपना उम्मीदवार बनाया था। आज आये चुनाव परिणाम में करण भूषण सिंह ने सपा प्रत्याशी को 148843 मतों से पराजित किया है।

इस तरह कारण भूषण को कुल 571263 मत मिले। जबकि भगत राम मिश्रा को 422420 मतों से संतोष करना पड़ा। वहीं बसपा प्रत्याशी नरेंद्र पांडे अपनी जमानत भी नहीं बचा पाए। इन्हें मात्र 44279 मतों से संतोष करना पड़ा।

रवि किशन ने एक लाख से अधिक मतों से दर्ज की जीत, सपा ने दी कड़ी टक्कर

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गृह क्षेत्र गोरखपुर सीट से भाजपा ने सांसद रवि किशन शुक्ल को दूसरी बार मैदान में उतारा था। इंडी गठबंधन की तरफ से अभिनेत्री काजल निषाद प्रत्याशी बनाया था। रविकिशन ने एक लाख से अधिक्य मतों से सपा प्रत्य्याशी काजल निषाद को हरा दिया है। काजल जहां मुस्लिम, यादव व निषाद वोटों का समीकरण बनाकर मैदान मारने की फिराक में थीं, वहीं रवि किशन गोरक्षपीठ के आशीर्वाद के सहारे जीत की जुगत में लगे थे। गोरखपुर सीट पर 1991 से लेकर 2019 तक भाजपा का कब्जा रहा है। 2018 में उपचुनाव में पहली बार सपा ने भाजपा को मात दी थी। ब उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल की राजनीति में गोरखपुर लोकसभा सीट की अहम भूमिका है। यह विश्व प्रसिद्ध गीता प्रेस, गुरु गोरखनाथ मंदिर, गीता वाटिका, टेराकोटा शिल्प के लिए मशहूर तो है ही, मुंशी प्रेमचंद की कर्मस्थली, फिराक गोरखपुरी, पंरू रामप्रसाद बिस्मिल की शहादत स्थली है।

लोकसभा हो अथवा विधान सभा चुनाव, पिछले तीन–चार दशकों से यहाँ का गोरखनाथ मठ इसकी धुरी बना हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गृहनगर भी गोरखपुर ही है, जो अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए फिर 1998 से लगातार 2017 तक लोकसभा में इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते रहे हैं। हालांकि उनके मुख्यमंत्री बनने के बाद हुए उपचुनाव में यहां भारी उलटफेर देखने को मिला और सपा प्रत्याशी के रूप में प्रवीण निषाद ने बीजेपी प्रत्याशी को चुनावी शिकस्त दी। 2019 में भाजपा ने फिर वापसी की। यहां से रवि किशन को जीत मिली। विधानसभा क्षेत्र, स्थानीय मुद्दे और विकास की स्थिति गोरखपुर लोकसभा क्षेत्र में विधानसभा की कैंम्पियरगंज, पिपराईच, गोरखपुर नगर, गोरखपुर ग्रामीण, सहजनवा शामिल हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार गोरखपुर की औसत साक्षरता दर 60.81: है। योगी के सीएम बनने के बाद विकास संबंधी कार्यो में तेजी आई है। हाल के समय मे यहां एम्स, फर्टिलाइजर कारखाना निर्माण का कार्य जोरों पर है। स्थानीय मुद्दा में इंसेफेलाइटिस बीमारी और बाढ़ प्रमुख रहते हैं।

गोरखपुर की खास बातें गोरखपुर पूर्वी उत्तर प्रदेश की प्रमुख सीट है, वर्तमान में यहां से प्रवीन कुमार निषाद सांसद हैं। जो उपचुनाव में जीते थे। प्रवीन निषाद पार्टी के संस्थापक संजय निषाद के पुत्र हैं। योगी आदित्यनाथ के उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने के बाद यह सीट खाली हुई थी। गोरखपुर के अंतर्गत कैमपियरगंज, पिपराइच, गोरखपुर शहरी, गोरखपुर ग्रामीण, सहजनवा विधानसभा सीट आती हैं। गोरपखुर राप्ती नदी के किनारे बसा है, इसकी लखनऊ से दूसरी 273 किलोमीटर है। शहर गोरखधाम मंदिर और धार्मिक ग्रंथों की गीताप्रेस के लिए प्रसिद्ध है।

बांसगांव लोकसभा से कमलेश पासवान ने मारा जीत का चौका

संवाददाता–गोरखपुर। पूर्व सांसद सुभावती पासवान के बेटे कमलेश पासवान यहां तीन बार से सांसद हैं और चौथी बार भी भाजपा के टिकट पर मैदान में उतरे थे। डबल इंजन की सरकार में हुए विकास कार्यों और कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों के सहारे मैदान में उतरे कमलेश के सामने गठबंधन ने कांग्रेस के टिकट पर सदल प्रसाद को प्रत्याशी बनाया गया था। सदल प्रसाद सहानुभूति, मुस्लिम, यादव समीकरण के साथ सवर्ण मतदाताओं को साधकर जीतने की जुगत में लगे थे। बसपा ने पूर्व आयकर आयुक्त डा. रामसमुझ को प्रत्याशी बनाया था। बांसगांव की जनता ने कमलेश पासवान को अपना सांसद चुना है। बांसगांव लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी सदल प्रसाद को 4540 मतों से हराकर विजयी हुए हैं। गोरखपुर जिले के अंतर्गत यह दूसरी लोकसभा सीट है और देश की सुरक्षित सीटों में से एक है। इस सीट पर महावीर प्रसाद चार बार जीते, जो एक समय प्रदेश के बड़े दलित नेताओं में एक थे, और केंद्रीय मंत्री भी रहे। 1962 से अब तक हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस छह बार जीत चुकी है। जबकि बीजेपी ने 1991 में यहां से जीत का अपना खाता खोला था। पहली बार भाजपा के राजनारायण पासवान सांसद बने थे। उसके बाद 2009 से लगातार दो बार बीजेपी यहां से चुनाव जीत रही है। बांसगांव के वर्तमान सांसद भाजपा से कमलेश पासवान हैं। उनकी मां सुभावती पासवान भी यहां से सांसद रही हैं। कमलेश पासवान तीसरी बार लोकसभा पहुंचे हैं। योगी आदित्यनाथ का यहां भी खासा प्रभाव है। विधानसभा और स्थानीय मुद्दे इस लोकसभा क्षेत्र में गोरखपुर जिले का चिल्लूपार, बांसगांव, चौरीचौरा और देवरिया का रुद्रपुर, बरहज विधान सभा क्षेत्र शामिल है।

स्थानीय मुद्दों में बेरोजगारी, कृषि की बदहाली, चीनी मिल संचालन प्रमुख हैं। बांसगांव की खास बातें बांसगांव संसदीय क्षेत्र उत्तर प्रदेश के 80 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से एक हैं। यह गोरखपुर जिले का हिस्सा है। यहां के प्रसिद्ध धर्मिक स्थलों में से कुलदेवी का मंदिर प्रमुख है। इस मंदिर की अपनी ही मान्यता है। शारदीय नवरात्र की नवमीके दिन यहां बहुत बड़ा मेला लगता है जिसमें दुर्गा मां को खुश करने के लिए रक्त अर्पित किया जाता है। सालों से चली आ रही इस परंपरा को स्थानीय निवासियों ने बरकरार रखा है।

डुमरियामंज लोकसभा में कांटे का रहा मुकाबला, जगदंबिका पाल ने मारी बाजी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। 2009 में कांग्रेस इसके बाद लगातार दो बार भाजपा के टिकट पर सांसद बनकर हैट ट्रिक लगा चुके पाल का मुकाबला पूर्व मंत्री हरिशंकर तिवारी के बेटे और संतकबीर नगर से दो बार सांसद रहे भीष्म शंकर उर्फ कुशल तिवारी से था। कुशल तिवारी इंडी की ओर से सपा के प्रत्याशी थे। बसपा ने नदीम मिर्जा को प्रत्याशी बनाकर मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण को रोकने का प्रयास किया था। लोकसभा चुनाव के छठवें चरण में (25 मई, 2024) को डुमरियागंज लोकसभा संसदीय क्षेत्र में मतदान हुआ था। एक दिन के मुख्यमंत्री कहे जाने वाले जगदंबिका पाल डुमरियागंज से पांचवीं बार मैदान में थे। उन्हांने चौथी बार डुमरियागंज से जीत दर्ज की है। कुशल तिवारी इंडी गठबंधन की ओर से सपा के प्रत्याशी थे। बसपा ने नदीम मिर्जा को प्रत्याशी बनाकर मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण को रोकने का प्रयास किया था। नेपाल राष्ट्र से सीमा साझा करने वाली यह संसदीय सीट जनपद सिद्धार्थनगर को कवर करती है। भाजपा के जगदंबिका पाल यहां से वर्तमान सांसद हैं। तथागत बुद्ध का क्रीड़ास्थल कपिलवस्त्तु भी यहीं है। इस क्षेत्र का सिद्धार्थनगर श्कालानमकश चावल के लिए दुनिया भर में काफी मशहूर है। आयरन और जिंक से भरपूर इन चावलों का जिक्र संयुक्त राष्ट्र की खाद्य और कृषि सम्बन्धी संस्था ने अपनी किताब स्पेसिअलिटी राइस ऑफ वर्लड में भी किया है।

डेमोग्राफी, विधानसभा और मुद्दे इस क्षेत्र में आज भी विकास की गति काफी धीमी है। औद्योगिक विकास पिछड़ा है। यह जनपद नीति आयोग द्वारा देश के 100 सर्वाधिक पिछड़े जनपदों में शीर्ष 10 में शामिल है। शिक्षा, स्वास्थ्य के मुहाने पर भी उदासी है। यहां की आबादी 25,59,297 लाख है। विकास यहाँ मुख्य चुनावी मुद्दा है। इस लोकसभा क्षेत्र में डुमरियागंज, शोहरतगढ़, कपिलवस्तु, बांसी, इटवा विधानसभा सीट शामिल है।

डुमरियागंज लोकसभा क्षेत्र सिद्धार्थनगर जिले को कवर करता है। इस लोकसभा क्षेत्र में डुमरियागंज, शोहरतगढ़, कपिलवस्त्तु, बांसी, इटवा विधानसभाएं आती हैं। यहां से पहले सांसद केडी मालवीय रहे थे। वहीं वर्तमान सांसद यहां से भाजपा के जगदंबिका पाल हैं। 23 दिसम्बर 1988 को बस्ती से अलग कर सिद्धार्थनगर बनाया गया था। जगदम्बिका पाल उत्तर प्रदेश की राजनीति का बड़ा नाम हैं। 1998 में वह तीन दिन के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं। वह 2019 लोकसभा चुनाव में भाजपा के टिकट पर डुमरियागंज से तीसरी बार सांसद चुने गए। बस्ती जिले में जन्मे जगदंबिका कांग्रेस के शीर्ष नेताओं में शुमार थे, लेकिन मतभेदों के बाद वह कांग्रेस को छोड़कर 2014 में भाजपा के साथ जुड़ गए। वह 1982 से 1993 तक लगातार दो बार विधान परिषद के सदस्य चुने गए और सरकार में मंत्री भी बने। वह तीन बार विधायक भी चुने गए। वह उत्ष्तर प्रदेश सरकार में कई बार कैबिनेट मंत्री भी बने। वह विशेषाधिकार समिति, परामर्शदात्री समिति, सड़क परिवहन और राजमार्ग और पोत परिवहन मंत्रालय, ऊर्जा संबंधी स्थायी समिति के सदस्य्य रह चुके हैं। उन्होंने एमए और एलएलबी तक की शिक्षा हासिल की है। उनकी पत्नी का नाम स्नेह लता पाल है। उनका एक पुत्र और दो पुत्री हैं।

वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी समेत छह को आजीवन कारावास

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या। 24 साल पहले साहबगंज क्षेत्र में दुकान के सामने पान–मसाला थूकने को लेकर हुए विवाद के बाद हत्या में कलेक्ट्रेट में तैनात वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी समेत छह अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। साथ ही 5,76,000 रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है। यह आदेश विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट मोहिंदर कुमार ने अभियुक्तों को जेल से तलब कर भरी अदालत में सुनाया। कोर्ट ने जुर्माने की 80 फीसदी धनराशि 4,60,000 रुपये वादी श्याम सुंदर को दिए जाने का आदेश दिया है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, घटना नगर कोतवाली क्षेत्र की 25 अप्रैल 2000 की रात 8रू15 बजे की है। शाहगंज मोहल्ला निवासी श्याम सुंदर गुप्त के भतीजे विश्वनाथ और इधर से गुजर रहे गगन उर्फ गोगा के बीच पान–मसाला खाकर दुकान के सामने थूकने को लेकर विवाद हो गया। गोगा ने यह बात अपने घर जाकर बताई। इसके बाद राठ हवेली निवासी शिवनरायण तिवारी के पुत्र श्रीकृष्ण तिवारी उर्फ छोटकन, रामकृष्ण तिवारी उर्फ बड़कन व हरिकृष्ण तिवारी उर्फ राजन व कश्मीरी मोहल्ला निवासी गगन श्रीवास्तव उर्फ गोगा अपने साथियों के साथ हथियार से लैस होकर आ गए। श्याम सुंदर अपने परिवार के साथ परचून की दुकान पर बैठे थे। सभी लोगों ने तमंचे व बंदूक से ताबड़तोड़ फायरिंग करना शुरू कर दिया। फैजाबाद–अयोध्या मार्ग पर भगदड़ मच गई। रामकृष्ण की फायरिंग से अयोध्या कुमार गुप्त घायल हो गए। श्रीकृष्ण के फायर करने से विजय को गोली लग गई, जिससे वह जमीन पर गिर गए। दोनों लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने विजय को मृत घोषित कर दिया, जबकि अयोध्या प्रसाद का कई दिनों तक इलाज चला। श्याम सुंदर की तहरीर पर थाना कोतवाली नगर में 26 अप्रैल को चार नामजद सहित कई अन्य अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज हुआ। विवेचना के दौरान कश्मीरी मोहल्ला के साजिद उर्फ साबिर व शोलापुरी कॉलोनी के अजय द्विवेदी का नाम प्रकाश में आया। न्यायालय में अभियोजन पक्ष से 12 गवाह पेश किए गए। न्यायाधीश ने पत्रावली पर मौजूद सबूत व गवाहों के बयान के आधार पर सभी अभियुक्तों को दोषी करार दिया। घटना की गंभीरता व अपराध को विरलतम मानते हुए सभी अभियुक्तों को हत्या, हत्या के प्रयास व गैंगस्टर एक्ट सहित कई गंभीर धाराओं में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। न्यायालय में सजा सुनाए जाने के समय मृतक विजय कुमार के पिता श्याम सुंदर भी कोर्ट में मौजूद रहे।

ढह गया भगवा दुर्ग, सपा की हुई अयोध्या, भाजपा प्रत्याशी की 56 हजार मतों से हार

संवाददाता–अयोध्या। लोकसभा चुनाव में भाजपा का भगवा दुर्ग ढह गया और अयोध्या सपा की हो गई। इंडिया गठबंधन के सपा उम्मीदवार अवधेश प्रसाद ने भाजपा के लल्लू सिंह को 56,934 वोटों से हराकर यहां की फैजाबाद संसदीय सीट पर कब्जा कर लिया। बसपा प्रत्याशी सच्चिदानंद पांडेय और भाकपा के अरविंद सेन यादव अपनी जमानत भी नहीं बचा सके। लोकसभा चुनाव में फैजाबाद संसदीय सीट में शामिल पांच विधानसभा क्षेत्र अयोध्या, बीकापुर, रुदौली, मिल्कीपुर और बाराबंकी जिले के दरियाबाद में 20 मई को वोट डाले गए थे। 13 उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे। कुल 11,39,866 वोट पड़े थे। मंगलवार को सख्त सुरक्षा घेरे में सुबह आठ बजे से राजकीय इंटर कॉलेज में मतगणना शुरू हुई। पहले पोस्टल मत गिने गए। इसके बाद चक्रवार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए 14–14 टेबल पर ईवीएम खुलती गई। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा के लल्लू सिंह ने 49 फीसदी वोट शेयर के साथ 5,29,021 वोट पाकर 65,477 वोटों के अंतर से सपा

के आनंदसेन यादव को हराया था। वर्ष 2014 के चुनाव में भी लल्लू सिंह ने 2,82,775 मतों के अंतर से सपा के मित्रसेन यादव को बड़े अंतर से पराजित किया था। इस बार इंडिया गठबंधन के सपा उम्मीदवार अवधेश प्रसाद ने लल्लू को शुरू से कड़ी टक्कर दी। सिर्फ पहले राउंड में ही वे भाजपा से पीछे रहे। इसके बाद सभी राउंड के मतों की गिनती में भाजपा को पीछे छोड़ते चले गए। पिछले चुनाव की तुलना में भाजपा के मत प्रतिशत में इस बार 5.32 फीसदी की गिरावट आई। सपा के मत प्रतिशत में 6.10 फीसदी की वृद्धि हुई। अवधेश को 48.73 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 5,47,173 और लल्लू को 43.68 फीसदी वोट शेयर के साथ 4,90,405 मत मिले। बसपा प्रत्याशी सच्चिदानंद को 4.06 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 45,571 वोट मिले। वे अपनी जमानत भी नहीं बचा सके। यही स्थिति भाकपा के अरविंद सेन के साथ रही। उन्हें 1.35 फीसदी वोट शेयर के साथ 15,202 मत मिले। जमानत बचाने के लिए मतदान का 1ब6 वोट पाना अनिवार्य होता है। इस लिहाज से अन्य नौ उम्मीदवारों की भी जमानत जब्त हो गई। जिला निर्वाचन अधिकारी नितीश कुमार ने बताया कि मतगणना शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गई।

मार्ग दुर्घटना में युवक गम्भीर रूप से घायल

संवाददाता–गोरखपुर। सहजनवा क्षेत्र के तिलौरा चौराहे पर मंगलवार को बाइक सवार बोलेरो की ठोकर से गम्भीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने उसे उपचार के लिए सीएचसी तर्रापार पहुंचाया। जहां से डॉक्टर ने हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। घघसरा नगर पंचायत के वार्ड नं चार अलगटपुर निवासी चंद्रभूषण बरहुआ से ड्यूटी करने बाइक से जा रहे थे। तिलौरा चौराहे पर बोलेरो ने ठोकर मार दिया। जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गये।

पश्चिम से आए बादलों ने सुहाना किया मौसम

संवाददाता–गोरखपुर। मंगलवार को मतगणना के कारण जिले का राजनीतिक तापमान भले ही चढ़ा हो, लेकिन बादलों ने इसे सुहाना किया। तड़के बादलों की मौजूदगी ने सुबह का तापमान सुहाना कर दिया। हल्की बारिश हुई। ठंडी हवाएं चली इससे लोगों को गर्मी से काफी राहत मिली है। मंगलवार की सुबह मौसम सुहाना रहा। तड़के आसमान में काले बादल छाए रहे। करीब 42 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम उत्तर दिशा से हवाएं चली। इस दौरान हल्की बूंदाबांदी भी हुई। न्यूनतम तापमान 27.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

बांसगांव लोकसभा के मतदान में धांधली का आरोप, भाजपा-सपा का प्रदर्शन, सदल प्रसाद ने दी आत्मदाह की धमकी

संवाददाता–गोरखपुर। बांसगांव में 32 वें चक्र में भाजपा प्रत्याशी कमलेश पासवान को 4,24,127 लाख मत और और कांग्रेस के सदल प्रसाद को 4,18,814 मत मिला था। कांग्रेस के प्रत्याशी ने आरोप लगाया कि 33 वें राउंड में भाजपा को 422090 और 417685 की घोषणा कर दी गई। इसपर कांग्रेसियों ने जताई आपत्ति। प्रत्याशी सदल प्रसाद ने कहा कि अगर पुनः मतगणना नहीं होगी तो वो आत्मदाह कर लेंगे। परिसर में हंगामा बढ़ते पुलिस और अर्द्ध सैनिक जवानों की तैनाती कर दी गई थी।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अपील सं0 C 202317000000275

अदालत– श्रीमान आयुक्त महोदय बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती

हसीदुल्लाह

बनाम

अफजल हुसेन आदि

1. अफजल हुसेन 2. बरकतुल्लाह 3. गरीबुल्लाह पुत्रगण मजीबुल्लाह 4. श्रीमती खुशबुन्निशा पत्नी मजीबुल्लाह साकिनान मौजा खटियांवा तप्पा बेलहर परगना बांसी पूरव तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर

–उत्तरवादी प्रथम वर्ग

5. ग्राम पंचायत खटियांवा जरिये प्रधान निवासी खटियांवा तप्पा बेलहर परगना बांसी पूरव तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर

तारीख पेशी 24–07–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 24 महीना 07 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

गो तस्कर को पुलिस ने दबोचा

संवाददाता–गोरखपुर। सहजनवा पुलिस ने मंगलवार को कुशीनगर निवासी एक गो तस्कर को तमंचा और कारतूस के साथ दबोच लिया। उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। अप्रैल के प्रथम सप्ताह में गो तस्कर पिकअप में गोवंशों को कसरवल के पास छोड़ फरार हो गए थे। पुलिस अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच कर रही थी। मंगलवार को भोर में हाइवे से कुशीनगर के तरयासुजान थाना क्षेत्र के दनियाडी निवासी राकेश यादव को अवैध तमंचा और कारतूस के साथ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

सपा ने बढ़त के साथ की शुरुआत, जीत के बाद ही मिला विराम

संवाददाता–संतकबीरनगर। आइएनडीआइए(सपा) प्रत्याशी लक्ष्मीकांत निषाद उर्फ पप्पू की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। यह बढ़त लगातार जारी रही। जीत के बाद इस पर विराम लगा। साइकिल का पीछा कर आगे बढ़ने में सुबह से शाम हो गई पर इसमें सफलता नहीं मिली। पूर्व में मेंहदावल के विधायक रहे पप्पू पहली बार सांसद बने। वहीं भाजपा प्रत्याशी प्रवीण निषाद की दोबारा सांसद बनने की मंशा पूरी नहीं हो पायी। इससे उनके समर्थकों, पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं सहित अन्य लोगों को करारा झटका लगा।

यूं इस तरह चक्रवार तेजी से दौड़ती रही साइकिल

आइएनडीआइए(सपा)के लक्ष्मीकांत निषाद उर्फ पप्पू प्रथम में 17,233 मत, दूसरे में 34,141 मत, तीसरे में 48,284 मत, चौथे में 64,794 वोट, पांचवें में 83,549 वोट, छठवें में 1,02,248 मत, सातवें में 1,19,253 मत, आठवें में 1,37,345 मत, नौवें में 1,53,571 मत,दसवें में 1,69,586 मत, 11 वें में 1,83,842 मत, 12 वें में 1,99,904 मत, 13 वें में 2,17,227 मत,14 वें में 2,33,614 मत, 15 वें में 2,50,792 मत, 16 वें में 2,64,352 मत, 17 वें में 2,79,438 मत, 18 वें में 2,94,554 मत, 19 वें में 3,07,690 मत, 20 वें में 3,21,734 मत, 21 वें में 3,37,519 मत, 22 वें में 3,50,564 मत, 23 वें में 3,66,826 मत, 24 वें में 3,81,578 मत, 25 वें चक्र में 3,94,947 मत पाए। इसी तरह आगे भी उनकी बढ़त जारी रही।

साइकिल का पीछा किए लेकिन अंतर को पार करने में नाकाम रहे प्रवीण

भाजपा प्रत्याशी प्रवीण निषाद प्रथम में 11,704 मत, दूसरे में 24,080 मत, तीसरे में 36,693 मत, चौथे में 49,327 मत, पांचवें में 60,542 मत, छठवें में 71,516 मत, सातवें में 83,365 मत, आठवें में 95,251 मत, नौवें में 1,08,293 मत, दसवें में 1,19,578 मत, 11 वें में 1,33,046 मत, 12 वें में 1,44,593 मत, 13 वें में 1,55,546 मत, 14 वें में 1,67,487 मत, 15 वें में 1,80,980 मत, 16 वें में 1,94,069 मत, 17 वें में 2,05,527 मत, 18 वें में 2,18,811 मत, 19 वें में 2,32,109 मत, 20 वें में 2,45,038 मत, 21 वें में 2,58,339 मत, 22 वें में 2,72,929 मत, 23 वें में 2,86,127 मत, 24 वें में 2,99,417 मत, 25 वें चक्र में 3,13,814 मत इसी तरह आगे भी मत पाए। साइकिल का पीछा किए लेकिन मतों के अंतर को पार करने में नाकाम रहे।

चक्रवार हाथी की यह रही चाल

बसपा के नदीम अशरफ प्रथम में 4,410 मत, दूसरे में 8,948 मत, तीसरे में 13,973 वोट, चौथे में 17,832 मत, पांचवें में 21,353 वोट, छठवें में 25,724 मत, सातवें में 30,704 मत, आठवें में 35,159 मत, नौवें में 40,066 मत, दसवें में 45,251 मत, 11 वें में 49,545 मत, 12 वें में 53,826 मत, 13 वें में 58,833 मत,14 वें में 63,881 मत,15 वें में 69,314 मत, 16 वें में 74,694 मत, 17 वें में 80,217 मत, 18 वें में 85,125 मत, 19 वें में 90,142 मत, 20 वें में 94,670 मत, 21 वें में 99,457 मत, 22 वें में 1,04,971 मत, 23 वें में 1,10,750 मत, 24 वें में 1,15,899 मत, 25 वें चक्र में 1,21,146 मत, आगे भी चक्रवार मत पाए। चुनावी मुकाबले में बसपा को तीसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा।

एकतरफा मुकाबले में सपा प्रत्याशी लालजी ने दर्ज की जीत, 1,36,870 के बड़े अंतर से जीते

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। अंबेडकरनगर लोकसभा सीट पर कुल 32 राउंड की गिनती के बाद एकतरफा मुकाबले में सपा प्रत्याशी लालजी वर्मा ने 1,36,870 के अंतर से धमाकेदार जीत दर्ज की। उन्हें कुल 5,43,721 मत मिले जबकि निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के रितेश पांडेय ने 4,06,851 मतदाताओं का समर्थन हासिल किया। तौर पर 1,36,870 मतों के बड़े अंतर से मंगलवार को अंबेडकरनगर लोकसभा चुनाव जीत लिया। उन्होंने यहां पिछली बार बसपा से सांसद रहे इस बार के भाजपा प्रत्याशी रितेश पांडेय को हराया। जीत के बाद उन्होंने कहा कि यह जीत आम लोगों को समर्पित है। जनता ने नफरत व अन्याय की राजनीति के खिलाफ वोट दिया है। कटेहरी के मौजूदा सपा विधायक सपा महासचिव लालजी वर्मा ने मंगलवार को लोकसभा चुनाव में जीत का डंका बजाया। लोकसभा अंबेडकरनगर की पांच सीट गोसाईगंज, कटेहरी, टांडा, जलालपुर व अकबरपुर के कुल 19,11,297 मतदाताओं को मताधिकार का मौका मिला था। सपा, भाजपा व बसपा समेत कुल आठ प्रत्याशियों के लिए 11,76,920 मतदाताओं ने 25 मई को बूथों पर पहुंचकर मतदान किया।

भीषण गर्मी में भी 61.58 फीसद मतदान कर जिले के मतदाता छठे चरण में पूरे प्रदेश में अव्वल रहे थे। मतदान के बाद मंगलवार सुबह राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में मतों की गणना कराई गई। सुबह आठ बजे से पोस्टल मतों की गिनती दस टेबल पर कड़ी सुरक्षा में शुरू हुई। सामान्य प्रेक्षक के साथ ही मतगणना प्रेक्षक तथा जिला प्रशासन के अधिकारी डटे रहे। सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में बैलेट पेपर की गिनती के बाद ईवीएम की गिनती शुरू कराई गई। कुल 32 राउंड की गिनती के बाद एकतरफा मुकाबले में सपा प्रत्याशी लालजी वर्मा ने 1,36,870 के अंतर से धमाकेदार जीत दर्ज की। उन्हें कुल 5,43,721 मत मिले जबकि निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के रितेश पांडेय ने 4,06,851 मतदाताओं का समर्थन हासिल किया। बसपा प्रत्याशी कमर हयात को 1,99,252 मत मिले। प्रशासन ने देर शाम लालजी वर्मा को बतौर सांसद जीत का प्रमाणपत्र सौंपा तो माहौल परिसर के अंदर से लेकर बाहर तक जिंदाबाद के नारों से गूंज उठा। सांसद बने पूर्व मंत्री लालजी वर्मा ने कहा कि यह जीत बेरोजगारी, महंगाई के विरोध में है। भाजपा द्वारा संविधान के साथ की जा रही छेड़छाड़ तथा तानाशाही के खिलाफ है। जनता ने परिवर्तन के खिलाफ वोट दिया है। कुछ ही राज्यों के मतदाता स्थिति भांप नहीं पाए। फिर भी यह चुनाव परिणाम सत्तारूढ़ दल के खिलाफ गया है। उन्होंने सभी जनपदवासियों का आभार जताते हुए कहा कि वे उनकी उम्मीदों पर पूरी तरह खरा उतरेंगे।

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com